Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 25 May 2023 ● Year : 01 ● Issue : 128 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अपने हौसलों को ये मत बताओ कि तुम्हारी परेशानी कितनी बड़ी हैं, बल्कि अपनी परेशानी को ये बताओ कि तुम्हारा हौसला कितना बड़ा हैं।

सुहाना से किया वादा नहीं निभा पा रहे...

SHARE

सेंसेक्स	:	61,773.78
निफ्टी	:	18,285.40

SARAFA

सोना	:	5,760
चांदी	:	77.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एसीबी ने बीएएम को चार हजार रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

CHATRA : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने चतरा जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी के ब्लॉक एकाउंट मैनेजर (बीएएम) शंभु कुमार रवि को चार हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि शंभु कुमार रवि के खिलाफ इटखोरी लोरम निवासी पन्ना लाल राणा ने लिखित शिकायत की थी। बीएएम ने ममता वाहन के बिल भुगतान के लिए चार हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। पूर्व में इनके द्वारा गहन जन स्वास्थ्य सर्वे 2021 योजना के तहत प्रचार प्रसार का कार्य किया गया था। इसका बिल दो वर्षो से लंबित है। इस शिकायत के सत्यापन के बाद आरोप को सही पाया गया।

विमल हत्याकांड में दोषी को आजीवन कारावास की सजा

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने बुधवार को विमल महतो हत्याकांड मामले में दोषी प्रिंस सोनी को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है। साथ ही पांच हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। यह मामला नगड़ी थाना के कांड संख्या 157/21से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाहों की गवाही हुई। गवाहों के बयान और पुलिस के साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने प्रिंस सोनी को सजा सुनाई है। इस मामले में एक अन्य आरोपित सूरज सोनी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। मामले में पुलिस ने एक बेकसूर सूरज को जेल भेजा था, जिसे पिछले सप्ताह कोर्ट ने बरी कर दिया था।

19 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की घोषणा की

NEW DELHI : कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) सहित 19 विपक्षी दलों ने 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की घोषणा की। संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। विपक्षी दलों ने बुधवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए नए संसद भवन का उद्घाटन करने का प्रधानमंत्री मोदी का फैसला न केवल घोर अपमान है, बल्कि हमारे लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है। हम नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के अपने सामूहिक निर्णय की घोषणा करते हैं। बयान में कहा गया है कि हम अपने मतभेदों को दूर करने और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए तैयार थे। लेकिन राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार किया गया। यह हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला है। आगे कहा गया है कि राष्ट्रपति न केवल भारत में राज्य का प्रमुख होता है, बल्कि संसद का एक अभिन्न अंग भी होता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देवघर के बाबा वैद्यनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। षोड्शोपचार विधि से बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना पुरोहितों ने कराई । पूजा के बाद राज्य के मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंदिर श्राईन बोर्ड की तरफ से अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह समर्पित कर अभिनंदन किया गया। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही राष्ट्रपति का शंखनाद के साथ स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देवघर आने वाली चौथी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद तथा दो बार बतौर राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी एवं रामनाथ कोविंद बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

राष्ट्रपति ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को रांची एयरपोर्ट से बिरसा चौक पहुंची। यहां उन्होंने भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने हाथ हिलाकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद उन्होंने अल्बर्ट एक्का चौक स्थित परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहां से राष्ट्रपति के राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। ● फोटोन न्यूज

JHARKHAND HIGHCOURT के नए भवन का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया उद्घाटन

लोगों को सही मायने में न्याय मिले ऐसी व्यवस्था हो : PRESIDENT

BUREAU CHIEF RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट के शानदार भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। इस अवसर पर उन्होंने न्यायपालिका और सरकार को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी। उन्होंने कहा कि लोगों को सही मायने में न्याय मिले, ऐसी व्यवस्था की जाये। अगर इसका कानून है, तो उसका पालन हो। नहीं हो, तो कानून बनाया जाये। झारखंड हाईकोर्ट के उद्घाटन सह लोकार्पण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायपालिका और सरकार से कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि लोगों को न्याय मिले। सही मायने में उन्हें न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके पास आते हैं। फैसला उनके पक्ष में होता है। फिर भी उन्हें न्याय नहीं मिलता। ऐसे लोगों को सही मायने में कैसे न्याय मिल सकता है, सरकार और न्यायपालिका को मिलकर इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। लोगों को न्याय मिले यह आपकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश, झारखंड के मुख्य न्यायाधीश के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के जजों के साथ-साथ विद्वान वकील भी यहां मौजूद हैं। आपलोग इसका रास्ता तलाशिए। कानून बनाना पड़े, तो बनाइए, लेकिन यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोगों को न्याय मिले। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रिमोट कंट्रोल का बटन दबाकर झारखंड हाईकोर्ट की नयी बिल्डिंग का उद्घाटन किया।

रांची के धुर्वा स्थित झारखंड हाईकोर्ट की नयी बिल्डिंग का उद्घाटन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ● फोटोन न्यूज

फैसला हो जाता है, लेकिन लोगों को न्याय नहीं मिलता

राष्ट्रपति ने बुधवार को राजधानी रांची के धुर्वा स्थित झारखंड हाईकोर्ट की नयी बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत से केस हाईकोर्ट में फाइनल होते हैं। बहुत से केस का फैसला सुप्रीम कोर्ट से आता है। जिनके पक्ष में फैसला आता है, वे खुश होते हैं। 5-10 या 20 साल के बाद उनकी खुशी गायब हो जाती है, क्योंकि जिसके लिए वे खुश थे, वो उनको मिलता ही नहीं। जिसके लिए समय, रुपये और रातों की नींद बर्बाद कर दी, वो खुशी उन्हें नहीं मिलती, तो वे फिर से दुखी हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं एक छोटे-से गांव से आयी हूं। मैं फैमिली काउंसलिंग सेंटर की सदस्य थी। कुछ केस फाइनल होने के बाद हम उनके घर जाते थे। यह देखने के लिए कि जिस केस को हमने फाइनल किया, वह परिवार ठीक है या नहीं। बहुत से लोग अपने कोर्ट से अपने पक्ष में आये फैसले लेकर मेरे पास आते थे कि फैसला तो हमारे पक्ष में आ गया, लेकिन हमें न्याय नहीं मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मुझे नहीं मालूम कि सुप्रीम कोर्ट के आगे कुछ होता है। मैं यह भी नहीं जानती कि ऐसे लोगों का कुछ हो सकता है या नहीं। राष्ट्रपति ने कहा कि चीफ जस्टिस डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने मुझे अभी बताया कि ऐसे मामले होते हैं। लोग कंटेम्प्ट में जा सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आगे कहा कि आप सभी जज बैठे हैं, वकील बैठे हैं, कानून मंत्री यहां बैठे हैं। इसका कोई रास्ता है या नहीं, मुझे नहीं मालूम। इसका रास्ता होना चाहिए। अगर नहीं है, तो आप सबको इसका रास्ता निकालना चाहिए। लोगों को सही मायने में न्याय मिले, ये जिम्मेदारी आप सबकी है। उन्होंने कहा कि अगर नियम नहीं है, तो नियम बनाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को न्याय मिलना चाहिए।

वरीय न्यायिक सेवा में हो आरक्षण का प्रावधान : CM

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वरीय न्यायिक सेवा में आरक्षण के प्रावधान की अपील न्याय पालिका से की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट की यह बिल्डिंग प्रदेश की करोड़ों जनता के लिए गौरव का क्षण है। करीब 600 करोड़ की लागत से 165 एकड़ में झारखंड हाईकोर्ट भवन का निर्माण हुआ है। उम्मीद है झारखंड के आदिवासी, गरीब जनता को सरल, सुलभ तथा तीव्र न्याय मिलेगा। उन्होंने बताया कि किस तरह सरकार लंबे समय से लंबित मुकदमों का तेजी से निबटारा कर रही है। सीएम श्री सोरेन ने कहा कि सबऑर्डिनेट ज्यूडिशियरी में झारखंड की स्थिति देश में सबसे बेहतर है।

न्यायपालिका लोकतंत्र का मंदिर : सीपी राधाकृष्णन

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने न्यायपालिका के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक करार दिया। कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मंदिर है, जहां लोग न्याय मांगने जाते हैं। भारत की न्यायपालिका महान है। राज्यपाल ने कहा कि मैं पूरे देश को बताना चाहता हूं कि भविष्य की सोच के साथ इस विशाल हाईकोर्ट भवन का निर्माण किया गया है। इसमें हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की झलक मिलती है। राज्यपाल ने कहा कि कोर्ट से हमारे नागरिकों को न्याय मिलेगा। विवादों का निबटारा होगा। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में सुधार के रास्ते तलाशने होंगे, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके।

न्याय व्यवस्था को नागरिकों तक पहुंचना होगा : जस्टिस

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्याय व्यवस्था को नागरिकों तक पहुंचना होगा। हिंदी में भाषण देते हुए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि न्यायपालिका के भवन का विस्तार होने से न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बढ़ती है। भारतीय नागरिक अपने वादों (मुकदमों) को लेकर न्यायपालिका के द्वार में प्रवेश करते हैं, तब उनकी आस्था को कायम रखना हम सबका उत्तरदायित्व है। सर्वोच्च न्यायालय के 7 साल के निजी अनुभव में मुझे न्याय और अन्याय की छवि का एहसास हुआ है। सजा होने के पहले हजारों नागरिक छोटे अपराध के लिए कारागृहों में बंद रहते हैं। अक्सर महीनों या सालों तक। न उनके पास साधन है, न साक्षरता। अगर न्यायपालिका से शीघ्र उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तो उनका भरोसा कैसे कायम होगा।

अल्बानीज के सामने प्रधानमंत्री मोदी ने उठाया मंदिरों पर हमले का मुद्दा, आस्ट्रेलिया के पीएम से हुई द्विपक्षीय वार्ता

20-20 क्रिकेट के मोड में है भारत-आस्ट्रेलिया दोस्ती : PM

AGENCY NEW DELHI : पीएम नरेंद्र मोदी ने आस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी अलबनिजी के समक्ष हाल के महीनों में वहां कुछ हिंदू मंदिरों पर हुए हमलों और भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया है। आस्ट्रेलिया दौरे पर गए पीएम मोदी की बुधवार को अलबनिजी के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई जो दोनो देशों के बीच बेहद गहरे होते रणनीतिक व आर्थिक रिश्तों की तरफ इशारा करता है। बैठक में रक्षा, तकनीक व कारोबार में आपसी सहयोग को मजबूत बनाने के कई मुद्दों पर बात हुई है और मुक्त व्यापार समझौते से जुड़ी वार्ता को जून, 2023 से शुरू करने पर भी सहमति बनी है। इस सबके बावजूद पीएम मोदी ने वहां खालिस्तान समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता साफ तौर पर जताई। साथ ही अभी तक इस बारे में आस्ट्रेलिया सरकार ने जो कदम उठाये हैं उस पर संतोष भी जताया। पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में आस्ट्रेलिया में थे। आस्ट्रेलिया व भारत के रिश्तों को उन्होंने क्रिकेट की भाषा में 20-20 मोड में बताया। दोनो प्रधानमंत्रियों के बीच एक वर्ष के भीतर यह छठी मुलाकात है जो अपने आप बता रही है कि दोनो तरफ से रिश्तों को कितनी गंभीरता से लिया जा रहा है। अगली मुलाकात सितंबर, 2023 में नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मलेन के दौरान होगी। मोदी ने कहा कि, "भारत और आस्ट्रेलिया के रिश्ते सिर्फ इन दो देशों से नहीं जुड़े हुए हैं बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, शांति व सद्भाव से भी जुड़ा हुआ है।" दोनो देशों के बीच पिछले वर्ष आर्थिक सहयोग कारोबार समझौता हुआ है और अब मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत की रफ्तार बढ़ाई जा रही है। कोशिश यह है कि इस वर्ष के अंत तक एफटीए भी हो जाए। मोदी और अलबनिजी ने अगले महीने से ही बातचीत को तेज करने को कहा है। दोनो नेताओं के बीच रिनीवेबल इनर्जी और क्रिटिकल खनिज (नये तकनीक आधारित उद्योगों में प्रमुखता से इस्तेमाल होने वाले खनिज तत्व) के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर बात हुई है। रिनीवेबल सेक्टर में किस तरह से सहयोग किया जाए, इसको लेकर इस बैठक में स्थिति साफ की गई है।

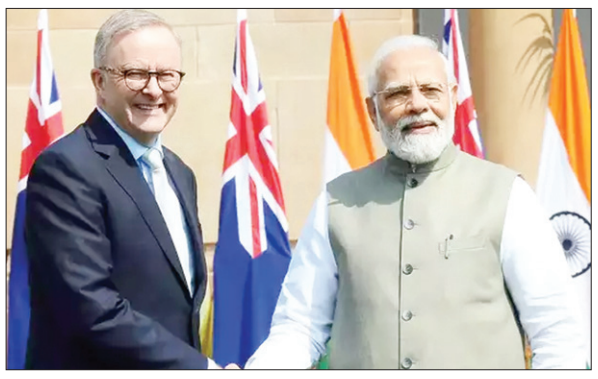

ऑस्ट्रेलिया के पीएम से मुलाकात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● एजेंसी

निलंबित IAS छवि रंजन की याचिका ईडी कोर्ट से खारिज

परिजनों से सप्ताह में दो दिन मिलने की मांगी थी इजाजत

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन घोटाला मामले में निलंबित आईएएस छवि रंजन की याचिका ईडी कोर्ट ने खारिज कर दी है। आईएएस छवि रंजन ने याचिका दाखिल कर कोर्ट से पत्नी और बच्चों से सप्ताह में दो दिन मिलने की इजाजत मांगी थी लेकिन ईडी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट ने उन्हें अनुमति देने से इंकार कर दिया है। छवि रंजन पत्नी-बच्चों से जेल मेनुअल के मुताबिक ही मिल पायेंगे। इससे पूर्व 18 मई को हुई सुनवाई के दौरान छवि रंजन के अधिवक्ता ने कोर्ट से आग्रह किया था कि उन्हें सप्ताह में दो दिन परिवारवालों से मिलने दिया जाये। इसपर ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव प्रसाद उर्फ काका ने पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने यह दलील दी थी कि न्यायिक हिरासत में रह रहे किसी भी व्यक्ति को विशेष सुविधा नहीं दी जानी चाहिए। जब तक आरोपित जेल में है, उसे जेल मैनुअल के मुताबिक ही सुविधा मिलती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने छवि रंजन की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस पर कोर्ट ने फैसला सुनाया।

राष्ट्रपति मुर्मू JHARKHAND के तीन दिवसीय दौरे पर, राज्यपाल ने की अगवानी

PHOTON NEWS RANCHI

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के तीन दिवसीय दौरे पर देवघर पहुंची। देवघर एयरपोर्ट पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उनकी अगवानी की। राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर कहा है-धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हार्दिक अभिनंदन स्वागत और जोहार।

राष्ट्रपति के राजधानी रांची के कार्यक्रमों को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सात आईपीएस अधिकारियों समेत 50 से अधिक डीएसपी और इंस्पेक्टर्स के अलावा 3,000 जवानों को तैनात किया गया है। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को सड़कों और ऊंची इमारतों में निगरानी के लिए तैनात किया गया है।

राष्ट्रपति रांची के विभिन्न इलाकों में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। इन कार्यक्रमों में रांची एयरपोर्ट रोड पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा और अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण शामिल है। वो झारखंड हाई कोर्ट के नए भवन का उद्घाटन करेंगी। ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। वो राजभवन में रात विश्राम करेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। ● द फोटोन न्यूज

राष्ट्रपति का काफिला जिन मार्गों से गुजरेगा, वहां त्रिस्तरीय सुरक्षा होगी। राष्ट्रपति के सुरक्षा बेड़े में बम निरोधक दस्ता के अलावा जैप, आईआरबी, रैफ और जगुआर की टीम को भी तैनात किया गया है। राष्ट्रपति देवघर में 10:10 बजे बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। वो वहां से 11:20 बजे रांची रवाना होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू का 12:00 बजे रांची एयरपोर्ट पर आगमन होगा।

यहां से दस मिनट बाद बिरसा चौक के लिए रवाना होंगी। 12:20 से 12:30 बजे तक प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी। बिरसा चौक से अल्बर्ट एक्का चौक जाएंगी। यहां 12:40 से 12:50 बजे तक अल्बर्ट एक्का चौक पर माल्यार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगी। 13:10 बजे राजभवन पहुंचेंगी। शाम 4:40 बजे राजभवन से झारखंड हाई कोर्ट के लिए रवाना होंगी। यहां नई बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगी। शाम 6:10 बजे राजभवन लौटेंगी।

अगली सुबह 8:45 बजे राजभवन से हेलीपैड के लिए रवाना होंगी। 9:10 बजे खूंटी के लिए चॉपर से रवाना होंगी। मिनिस्ट्री आफ ट्राइबल अफेयर्स भारत सरकार के तत्वावधान में बिरसा कॉलेज खूंटी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। दोपहर 12:45 बजे राजभवन लौटेंगी। अपराह्न 3:30 बजे सड़क मार्ग से आईआईटी के कन्वोकेशन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचेंगी। शाम 5:.20 बजे वापस राजभवन लौटेंगी।

राष्ट्रपति के रांची पहुंचने पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर बुधवार को झारखंड पहुंची। देवघर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद वे देवघर एयरपोर्ट से एयरफोर्स के विशेष विमान से दोपहर 12:00 बजे रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचीं। एयरपोर्ट पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनका स्वागत किया।

झारखंड पहुंचने पर मुर्मू सबसे पहले देवघर बाबा बैद्यनाथ के दरबार में गईं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही राष्ट्रपति का शंखनाद के साथ स्वागत किया गया। यहां पुरोहितों ने षोडोषोपचार विधि से बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कराई। राष्ट्रपति ने बाबा से देश की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद राज्य के मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंदिर श्राईन बोर्ड की तरफ से अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर राष्ट्रपति का अभिनंदन किया। देवघर में सांसद निशिकांत दुबे भी स्वागत के लिए वहां मौजूद रहे।

राज्यपाल के दौरे को लेकर रांची में तीन हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। एयरपोर्ट से राजभवन तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। चप्पे-चप्पे पर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस के जवान मौजूद हैं। ऊंची इमारतों से पुलिस के जवान सड़कों पर नजर रखे हुए हैं। एडीजी और सीनियर आईएएस मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

राष्ट्रपति भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद अलबर्ट एक्का चौक पर शहीद अलबर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद राजभवन रवाना होंगी।

राष्ट्रपति का स्वागत करते सीएम हेमंत सोरेन व राज्यपाल। ● द फोटोन न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दौरे के आखिरी दिन 26 मई की सुबह 10:45 बजे राजभवन से रांची एयरपोर्ट रवाना होंगी। वहां से 11:10 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

BRIEF NEWS

पटेलनगर पंचायत भवन में भाजपा भुरकुंडा मंडल कार्यसमिति की हुई बैठक

RAMGARH : पटेलनगर पंचायत भवन में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी भुरकुंडा मंडल कार्यसमिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा व संचालन महेंद्र सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद्र भौमिक, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश प्रसाद, मंडल के पालक सुखदेव प्रसाद उपस्थित थें। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद बैठक की शुरूआत वंदे मातरम गीत के साथ हुआ। बैठक में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री के 9 वर्ष पूरे होने को ले आगामी 30 मई से 30 जून तक संगठन अपने बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान, कार्यकर्ता सम्मेलन आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। धन्यवाद ज्ञापन मंडल महामंत्री अशोक सोनी ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ। मौके पर योगेश दांगी, संजीव कुमार बावला, जगतार सिंह, अमितेश सिंह, अमरेश सिंह, शंकर प्रसाद, अशोक सोनी, अजय पासवान, राजेश गुप्ता, सुभाष दास, सत्येंद्र नारायण सिंह, योगेश, सत्येंद्र नारायण सिंह, अनुपम पाठक, संतोष शर्मा, गीता श्रीवास्तव, आकाश साहू, सुमन सिंह, संतन सिंह, अखिलेश टोप्पो, रीना देवी, देव कुमार सिंह, बाबूलाल नायक, भोला कुशवाहा, राजेंद्र मल्होत्रा, मोतीलाल सिंह, राजन पांडेय, कमलेश सिन्हा, जनार्दन सिंह, विनोद सिंह, बाबूलाल गोस्वामी, आनंद मंडल, प्रेम दुबे, जय प्रकाश पांडेय, संजय पांडेय सहित मंडल, जिला व प्रदेश के पदाधिकारी, मोर्चा के अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य उपस्थित थे।

चुरचू मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह की अध्यक्षता में हुई भाजपा कार्यसमिति की बैठक

HAZARIBAG : हजारीबाग जिला के चुरचू प्रखंड अंतर्गत चरही पंचायत स्थित बाजार टांड़ स्वर्गीय टेकलाल महतो स्मृति भवन में भाजपा कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक किया गया जिसकी अध्यक्षता चुरचू मंडल अध्यक्ष मुरारी सिंह, वा संचालन रोहित महतो ने किया। बैठक में 30 मई से 30 जून तक होने वाले कार्यक्रम पर चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा सांसद प्रतिनिधि संजय साव, भाजपा विधायक प्रतिनिधि आरीफ अंसारी, चुरचू उप प्रमुख चौलेश्वर महतो, महिला मोर्चा अध्यक्ष सह पंचायत समिति सदस्य श्रीमती आशा राय,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष तालेश्वर महतो, ओबीसी मोर्चा कार्यकारिणी सदस्य, अशोक प्रसाद, डॉक्टर राम सेवा प्रसाद, छत्रु साव, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष अशोक तूरी, दिनेश्वर साव, फुलेश्वर महतो, संकर कुमार, महादेव बीशू कर्मा सुनीता देवी महामंत्री, भाजपा सचिव ममता ठाकुर, आनंद सिंह, आनंद ठाकुर, प्रदीप कुमार, जयंती कुमारी, रेखा देवी, दीपा देवी, अनीता देवी, अनीता महतो, सोनिया महतो, रिंकी सिंह, शांति देवी, सियादेवी, मीना देवी, संजू देवी, सोभा देवी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर ऐतिहासिक पल का विरोध करना विपक्ष का चरित्र बन गया है: भाजपा

NEW DELHI : नए संसद के उद्घाटन समारोह का कई विपक्षी दलों के बहिष्कार करने पर भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे विपक्ष का चरित्र बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भारत के मजबूत लोकतंत्र के मंदिर नए संसद को लेकर देश 140 करोड़ भारतीय गौरवान्वित हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक पल को लेकर कुछ विपक्षी पार्टियां हैं, जो इसका विरोध कर रही हैं, वे राजनीतिक दल नरेन्द्र मोदी से बहुत नफरत करते हैं। वो एक नजर बट्टू मात्र बन कर रह गए हैं। भाटिया ने कहा कि हर सकारात्मक काम का, हर ऐतिहासिक पल का विरोध करना उनका चरित्र बन गया है। इन्होंने अनुछेद 370 के संशोधन का विरोध किया, भारत में कोरोना वैक्सीन बनी उसका विरोध किया, वन रैंक पेंशन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का लोकतंत्र के मंदिर की पवित्रता को खंडित करने का प्रयास है जो भारत के लोग करने नहीं देंगे। यह दुख की बात है कि एक सकारात्मक भूमिका निभाने के बजाय वे लोग विरोध में है।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मनोहर जोशी की हालत चिंताजनक

MUMBAI : लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी की हालत चिंताजनक बनी हुई है। उनका इलाज मुंबई के पीजी हिंदुजा अस्पताल के आईसीयू में हो रहा है। अस्पताल की हेल्थ बुलेटिन के अनुसार मनोहर जोशी सेमी कोमा में हैं और उन्हें वेंटिलेटर नहीं लगाया गया है। वे खुद सांस ले रहे हैं। उनके स्वास्थ्य पर कड़ी नजर रखी जा रही है। अस्पताल की हेल्थ बुलेटिन के अनुसार मनोहर जोशी को ब्रेन हेमरेज की वजह से हिंदुजा अस्पताल में लाया गया था। तब से उनका इलाज डॉ चारुलता साखला के नेतृत्व में किया जा रहा है। शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को अस्पताल में जाकर मनोहर जोशी से मुलाकात की थी। उल्लेखनीय है कि मनोहर जोशी शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक हैं। उन्हें जोशी सर के नाम से भी जाना जाता है। मनोहर जोशी 86 साल के हैं। उन्होंने शिवसेना से विधान परिषद के लिए निर्वाचित होकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की। वह 1976 से 1977 तक मुंबई के मेयर भी रहे थे। 1995 में शिवसेना-भाजपा गठबंधन के सत्ता में आने के बाद मनोहर जोशी मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद मनोहर जोशी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई कारोबारियों को निवेश के लिए किया भारत आमंत्रित

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को सिडनी में एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने भारत में किए गए आर्थिक सुधारों पर प्रकाश डाला और ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक ट्वीट में कहा, ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापारिक संबंध बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिडनी में एक बिजनेस राउंडटेबल में ऑस्ट्रेलियाई सीईओ के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने देश में 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ाने के लिए किए गए आर्थिक सुधारों और नीतिगत उपायों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, सिडनी में बिजनेस राउंडटेबल के दौरान शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत की। भारत में व्यापार के अवसरों और हमारी सरकार के सुधार पर विस्तृत प्रकाश डाला। ऑस्ट्रेलिया के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री कल करेंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण का उद्घाटन

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज शाम सात बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में खेल संस्कृति को विकसित करने और युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने पर बहुत ध्यान दिया है। नवोदित खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं और देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन इसी दिशा में एक और कदम है। इस साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा संस्करण 25 मई से 3 जून तक उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएं वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर में आयोजित की जाएंगी। खेलों में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के 4750 से अधिक एथलीट भाग लेंगे, जो 21 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। खेलों का समापन समारोह तीन जून को वाराणसी में होगा। खेलों के शुभंकर का नाम जीतू है, जो उत्तर प्रदेश के राजकीय पशु दलदल हिरण (बारासिंघा) का प्रतिनिधित्व करता है।

आजसू पार्टी ने पेय जलापूर्ति को लेकर किया ट्रांसपोर्टिंग ठप प्रबंधन के सकारात्मक आश्वासन के बाद आंदोलन वापस

PHOTON NEWS RAMGARH

आजसू पार्टी ने पेयजल की सुचारू रूप से आपूर्ति की मांग को ले बुधवार को रिवर साइड बड़ा ऑफिस चैराहा के पास कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य ठप करा दिया। इस दौरान आजसू के प्रखंड सचिव विश्वरंजन सिन्हा के नेतृत्व में सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक ट्रांसपोर्टिंग ठप रही। ट्रांसपोर्टिंग ठप की सूचना के बाद सीसीएल प्रबंधन आंदोलनकारियों से वार्ता करने को ले रिभर साईड पहुंचे। जहां प्रबंधन ने आंदोलनकारियों से वार्ता की।

वार्ता में आजसू की ओर से एजेकेएसएस के महामंत्री सतीश सिन्हा, आजसू प्रखंड सचिव विश्वरंजन सिन्हा, भुरकुंडा पीओ मनोज पाठक व भुरकुंडा ओपी के एएसआई रामप्रवेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वार्ता में शामिल प्रबंधन व आजसू के लोग। ● द फोटोन न्यूज

मौके पर पीओ मनोज पाठक ने दो दिनों में पेयजल की सुचारू आपूर्ति करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से टैंकर के माध्यम से भी पानी की आपूर्ति की जायेगी। किसी भी हाल में ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। प्रबंधन के सकारात्मक आश्वासन के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया।

ट्रांसपोर्टिंग ठप कराने वालो में विक्रांत साहू, विश्वनाथ भुइयां उर्फ अजय, दिलीप महतो, पंकज कुमार, छोटू यादव, राज नायक, नीलू देवी, आयुष सिंह, जितेंद्र वर्मा, मिथुन कुमार, संतोष पांडेय, राजन कुमार, सोनू गुप्ता, रवि साव, रोशन कुमार, दीपक कुमार, विकास कुमार, सागर कुमार, सोहन, राहुल, सूरज कुमार, डब्लू, विशाल कुमार, किशन, दीपक आदि शामिल थें।

बोकारो में माकपा राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक 26 मई से

PHOTON NEWS RANCHI

माकपा राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक 26 और 27 मई को बोकारो स्टील सिटी में होगी। बैठक में 35 राज्य कमेटी सदस्यों के अलावा जिला सचिव और विशेष आमंत्रित सदस्य भी हिस्सा लेंगे। पार्टी की पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा करात और पूर्व सांसद डॉ. रामचंद्र डोम भी दिशा-निर्देश के लिए उपस्थित रहेंगे।

राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने बुधवार को कहा कि बैठक में राज्य के ताजा राजनीतिक घटना विकास, हाल ही में संयुक्त वाम कन्वेंशन से तय किए गए कार्यभार और राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही विस्थापितों की समस्या, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा और वन अधिकार अधिनियम में कॉरपोरेट पक्षीय संशोधनों के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की श्रृंखला शुरू करने पर फैसला होगा। इसके अलावा झारखंड में जमीन के रिकार्ड का डिजिटलाइजेशन किए जाने के बाद हुई त्रुटियों को अविलंब दुरुस्त करने की मांग और पेयजल एवं बिजली संकट के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध कार्रवाई का आह्वान किया जाएगा।

दुनियाभर में आयुष चिकित्सा पद्धति की बढ़ी मांग : मनसुख मांडविया

AGENCY NEW DELHI

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिनेवा में 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की सबसे पुरानी चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद का जन्म भारत में हुआ है। इसकी अनूठी ताकत सामने आने के साथ आयुर्वेद, योग, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी जैसे आयुष उपचारों की मांग बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नेतृत्व में आयुष को और बढ़ावा दिया जा रहा है। हील इन इंडिया एंड हील बाय इंडिया विषय पर अपने संबोधन में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य की दृष्टिकोण के साथ वैश्विक समुदाय की सेवा करने के लिए भारत सरकार ने मूल्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा की पहल की है।

76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा को संबोधित करते मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया।

उन्होंने कहा, 'हील इन इंडिया' पहल भारत में दुनिया को एकीकृत और समग्र उपचार प्रदान करने की ओर अग्रसर है। डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत में कोरोना टीकाकरण के तहत अबतक 220 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। 'वैक्सीन मैत्री' पहल के माध्यम से लाखों टीके दुनिया के साथ साझा किए गए।

दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रणालियों पर कोरोना महामारी के प्रभाव को रेखांकित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि महामारी ने प्रदर्शित किया है कि स्वास्थ्य संबंधी खतरे राष्ट्रीय सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं और इसके लिए एक समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। इस संदर्भ में भारत स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण के साथ डिजिटल तकनीक का उपयोग कर रहा है।

नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल स्थापित करने का निर्णय ऐतिहासिक : जेपी नड्डा

AGENCY NEW DELHI

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल स्थापित करने का निर्णय ऐतिहासिक पल है। पवित्र सेंगोल राष्ट्रीय और ऐतिहासिक महत्व रखता है।

पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि पहली बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 14 अगस्त, 1947 को राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में विशेष रूप से तमिलनाडु से आए पुजारियों से प्राप्त किया गया था।

जेपी नड्डा ने कहा कि शासक के लिए शिव के आशीर्वाद का आह्वान करने के लिए मंत्रों के साथ सेंगोल वेस्टिंग समारोह की पवित्र तमिल परंपरा के बाद पंडित नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का संबोधन दिया। यह ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन से भारतीय प्रधानमंत्री

जे पी नड्डा की फाईल फोटो।

जवाहरलाल नेहरू को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। सेंगोल शासन करने के सर्वोच्च नैतिक अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है

उन्होंने इतिहास के इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को जीवंत करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक विदेशी शासक से भारत के लोगों को सत्ता का हस्तांतरण प्रत्यक्ष नहीं था, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रक्रिया के माध्यम से था। जैसा कि प्राचीन भारत में जाना जाता है। यह उत्तर से दक्षिण तक भारत के भावनात्मक और आध्यात्मिक एकीकरण पर भी जोर देता है।

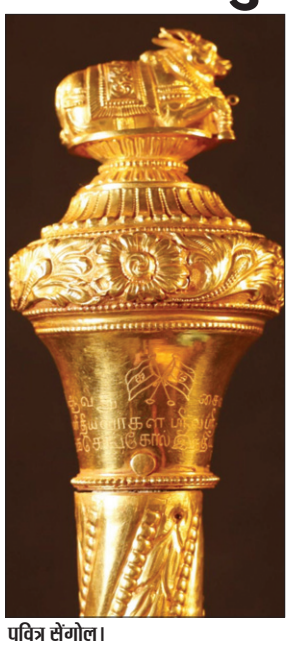

पवित्र सेंगोल।

तीन देशों की सफल यात्रा के बाद दिल्ली के लिये रवाना हुए प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के बाद बुधवार को सिडनी से भारत के लिए उड़ान भरी। विदेश मंत्रालय ने इस बाबत जानकारी दी। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा, ह्यतीन देशों की सफल यात्रा संपन्न हुई। जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली के लिए रवाना हुए। तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ व्यापक बातचीत करने और यहां एक विशेष सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद स्वदेश के लिए रवाना हो गए।

चरण केवट को न्याय दिलाने के लिए RAMGARH थाने में धरने पर बैठे पूर्व विधायक, बोले-

दारोगा ने चरण केवट को बुरी तरीके से पीटा

PHOTON NEWS RAMGARH

पूर्व विधायक शंकर चौधरी ने बुधवार को रामगढ़ थाने में समर्थकों के साथ धरना दिया। उन्होंने कहा कि चरण केवट के साथ अत्याचार के मामले में थाने के दारोगा को तत्काल सस्पेंड किया जाना चाहिए। साथ ही चरण केवट की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए।

रामगढ़ के पूर्व विधायक शंकर चौधरी ने आरोप लगाया कि दारोगा सुरेंद्र सिंह कुंतिया ने समाजसेवी चरण केवट को बुरी तरीके से पीटा है। यहां तक कि उनसे रिश्वत की भी मांग की गई। इस मामले में पहले एसपी कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। साथ ही पुलिस प्रशासन को पांच दिनों का अल्टीमेटम भी दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। चौधरी ने कहा कि यह धरना चरण केवट को न्याय देने के लिए है।

रामगढ़ थाने में धरने पर बैठे पूर्व विधायक। ● द फोटोन न्यूज

इस दौरान पूर्व विधायक के समर्थकों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

चरण केवट पर जमीन हड़पने का आरोप : इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि चरण केवट पर अवैध तरीके से जमीन हड़पने का आरोप लगा था। इस मामले में रामगढ़ थाने में 83/2023 कांड दर्ज किया गया है, जिसकी जांच हो रही है। चरण केवट ने भी अनुसंधानकर्ता सुरेंद्र सिंह कुंतिया के खिलाफ लिखित शिकायत दी है, जिसकी जांच हो रही है। पदाधिकारी को दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

राष्ट्रपति दौरे पर रांची से देवघर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम, चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

एयरपोर्ट पर थी विशेष तैयारी, फ्लाइट लैंड होते ही चहलकदमी हुई तेज, सुरक्षा घेरे में किया रवाना

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड की राजधानी रांची अपने विशेष विमान से पहुंची। देवघर से रांची आने की सूचना पर सुबह से ही बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर चहलकदमी तेज हो गई। देवघर से राष्ट्रपति के विशेष विमान के टेक-ऑफ होने की सूचना मिलते ही बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची में पदाधिकारियों व सुरक्षाबलों की चहलकदमी तेज हो गई थी। चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच हर आने जाने वालों की जांच से लेकर रोकथाम में पुलिसबल जुट गई। सुरक्षा व्यवस्था ऐसी थी कि आम से खास तक के वाहनों को रोक दिया गया था। सुबह 10 बजे से ही जिला प्रशासन के उच्च पदस्थ मोर्चा संभाले हुए थे। एयरपोर्ट के नए भवन के साथ साथ पुराने भवन स्थित वीआइपी गेट के पास पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी व कर्मी तैनात दिखे। लगातार सभी पदाधिकारी एक दूसरे से वाकी टाकी के माध्यम से पल पल की जानकारी अपडेट करते दिखे। इसी क्रम में ठीक 12:16 बजे राष्ट्रपति का काफिला वीआइपी गेट के बाहर निकला। इससे पूर्व उन्हें सलामी दी गई। काफिला के बाहर निकलने के साथ ही मौजूद पदाधिकारियों ने सलामी देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति का काफिला बिरसा चौक के लिए निकल गया।

तीन दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सुबह 9 बजे के करीब देवघर एयरपोर्ट पहुंचीं ● फोटोन न्यूज

बैनर पोस्टर से सज गई रांची, दिख रही थी सादगी

राष्ट्रपति के स्वागत को लेकर जहां रांची के हर चौक चौराहे पर पुलिस बल तैनात दिखे वहीं राष्ट्रपति के स्वागत के लिए राजधानी में होर्डिंग और बैनर लगाए गए हैं। लालपुर से मेन रोड होते एयरपोर्ट तक जाने के क्रम में हर चौराहे पर राष्ट्रपति के स्वागत में जन प्रतिनिधि के साथ साथ जिला प्रशासन के बैनर पोस्टर लगाए गए हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पूर्व में वर्ष 2015 से 2021 तक झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। राष्ट्रपति के दौरे को ले रांची के साथ साथ खूंटी में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बताया गया कि शहर में 3000 पुलिस कांस्टेबल और 900 अधिकारियों को तैनात किया गया है। उच्च न्यायालय के नए भवन की सुरक्षा में करीब 400 जवानों को तैनात किया गया। एयरपोर्ट से निकलने के बाद सीधे राष्ट्रपति बिरसा चौक पहुंची। जहां पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत उन्होंने धरती आबा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। तपती गर्मी के बावजूद कार्यक्रम में उनकी सादगी देखते बन रही थी। वहीं जिले के सभी उच्च पदाधिकारी वहां मौजूद थे। चप्पे चप्पे पर पुलिसबल तैनात थे। एयरपोर्ट से बिरसा चौक तक वन-वे कर दिया गया था। हर आने जाने वालों पर नजर रखी जा रही थी। यद्यपि राष्ट्रपति सभी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सीधे हाईकोर्ट के लिए रवाना हो गईं।

गर्मी ने बढ़ाई परेशानी :

सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिसबल और पदाधिकारी तपती धूप से परेशान दिखे। राष्ट्रपति आगमन को लेकर सुबह से ही प्रशासनिक पदाधिकारी के साथ साथ पुलिसबल एयरपोर्ट से लेकर बिरसा चौक तक सक्रिय दिखे। जगह जगह बैरिकेडिंग के बीच लोगों का आना जाना बंद था। राष्ट्रपति का काफिला एयरपोर्ट व बिरसा चौक से निकलने के साथ ही ट्रैफिक को सामान्य कर दिया गया। इस दौरान कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई लेकिन पूर्व से तैनात ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता से लोगों को जाम से राहत मिली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजभवन में पीवीटीजी समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की और बातचीत की ● फोटोन न्यूज

झारखंड का नया हाईकार्ट भवन जो दृश्य से मनोरम है और प्राकृतिक छटा के बीच आकर्षित करने वाली है।

BRIEF NEWS

केतारी बगान रेलवे फाटक टूटा, डेढ़ घंटे लगा जाम

RANCHI : केतारी बगान रेलवे फाटक बुधवार को टूट गया। जिसके कारण लगभग 5:30 से 7 बजे तक फाटक में जाम रहा। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह दसवीं बार फाटक टूटने की घटना हुई है। इससे पहले भी कभी वाहन के टक्कर से तो कभी फाटक बंद करने के दौरान फाटक टूट चुका है। वहीं बुधवार को फाटक टूटने से फाटक के दोनो ओर 500 मीटर से अधिक जाम लग गई। वहीं एक ओर से फाटक बंद कर लोगों का आवागमन शुरू रहा। वहीं फाटक टूटने के बाद अस्थाई फाटक से ट्रेन आने के दौरान फाटक बंद करना पड़ा। वहीं जाम में फंसे लोगों ने बताया कि फाटक पर ब्रिज जबतक नही बन जाता तब तक जाम की समस्या से लोगों को निजात नही मिल सकेगा।

गैंगस्टर के नाम पर रंगदारी मांगने के चार आरोपी बरी

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट के न्यायाधीश राजकुमार पांडे ने गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के नाम पर रंगदारी मांगने वाले चार आरोपियों को बुधवार को बरी कर दिया है। बरी होने वाले आरोपियों में प्रकाश सिंह उर्फ रिंकू सिंह, प्रियंका कुमारी सिंह उर्फ सृष्टि, अंकित प्रताप सिंह और विकास सिंह उर्फ छोटू सिंह हैं। चारों के खिलाफ रातू थाना में कांड संख्या 105/2021 दर्ज किया गया था। इस संबंध में रातू थाना के तत्कालीन प्रभारी ने केस दर्ज कराया था लेकिन पुलिस इसको साबित नहीं कर पायी। ऐसे में साक्ष्य के अभाव में अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

झारखंड जगुआर के जवान से लूटपाट का आरोपी धराया

RANCHI : रातू थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मो. रमजान बताया गया है। इसके पास से एक मोबाईल और एक स्कूटी बरामद किया गया है। थाना प्रभारी ने बुधवार को बताया कि झारखंड जगुआर के सिपाही संतोष हांसदा को पिस्टल दिखाकर दो अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। अपराधियों ने झिरी के नजदीक पता पूछने के बहाने जवान को रोका और पिस्टल दिखाकर रेडमी मोबाईल, 5000 रुपये, एटीएम कार्ड, आई कार्ड सहित कई सामान लूट लिए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में टेक्निकल सेल की मदद से पुलिस को लोकेशन की जानकारी मिली कि नारकोपी निवासी मो. रमजान का साला असफाक अंसारी उक्त नंबर का इस्तेमाल कर रहा है। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका जीजा मो. रमजान उक्त मोबाईल का इस्तेमाल कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर मो. रमजान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

रांची में 56 परीक्षा केंद्रों पर 28 मई को होगी यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा

RANCHI : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा 28 मई को राजधानी रांची के 56 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा अन्य प्रदेश के 26054 परीक्षार्थी शामिल होंगे। यूपीएससी की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जायेगी। पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ बजकर 30 मिनट से शुरू होगी जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दो बजकर 30 मिनट से शुरू होगी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले उम्मीदवारों के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परीक्षा केंद्र के बाहर जमा करा लिए जायेंगे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर राष्ट्रपति ने किया माल्यार्पण

अल्बर्ट एक्का चौक पर 1971 के परमवीर अल्बर्ट एक्का की आदमकद प्रतिमा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने माल्यार्पण किया। अपने वाहन से उतरकर वे नंगे पांव प्रतिमा स्थल तक पहुंचीं। खड़ी दोपहर में लाल कारपेट पर चलते हुए प्रतिमा के समक्ष अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की। साथ में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी पुष्प चढ़ाए। कड़ी धूप में लोग उनके आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। उनके आगमन से आधे घंटे पहले चारों तरफ आवागमन को रोक दिया गया। चडरी रोड, सर्जना चौक रोड, कोकर रोड जाने वाले मार्ग को रस्सी लगाकर रोक दिय गया था। चारों तरफ पुलिस की तैनाती की गई थी। जलजोगा रेस्टूरेंट भवन के ऊपर भी पुलिस तैनात थी। फिरायालाल फर्म पर लोग एक झलक पाने के लिए पहले आ डटे हुए हुए थे। राष्ट्रपति ने जैसे ही पुष्पांजलि कार्यक्रम संपन्न किया। चारों तरफ शोर उठने लगा.. मैडम... मैडम... मैडम... जोहोर... जोहार... जोहार। यह आवाज उनकी कान तक पहुंची। महामहिम ने निराश नहीं किया। पांव में चप्पल पहनकर लोगों का अभिवादन करने के लिए आ गईं। एक सीमा रेखा थी। उस पार मैडम, इस पार जनता...। महामहिम ने पहले कहा, नमस्ते। फिर पूछा...कैसे हैं आप लोग...हाथ जोड़ते हुए लोगों को अभिवादन स्वीकार करते हुए आगे बढ़ रही थीं। यह अपनत्व था। शहर की जनता निहाल हो उठी। इस कड़ी धूप में उनके चेहरे पर मुस्कान तैर रही थी। राष्ट्रपति को

लग रहा था, वह अपने घर ही आई हैं। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री इस पल को निहार रहे थे।

धुर्वा स्थित नए हाईकोर्ट भवन के उद्घाटन समारोह में दीप जलाते सीएम हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज जाएंगी खूंटी, प्रशासनिक तैयारियां पूरी

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गुरुवार को अमर शहीद बिरसा की धरती खूंटी में आगमन होगा। राष्ट्रपति जिला मुख्यालय खूंटी के बिरसा कॉलेज स्टेडियम में जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में ट्राइफेड एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में महिला स्वयं सहायता समूह के साथ संवाद करेंगी। इस अवसर पर जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, जनजातीय कार्य राज्य मंत्री रेणुका सिंह सरूता, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह में भाग लेंगे। महिला उद्यमियों को वनों के बारे में उनके अधिकारों, वित्त पोषण और बाजार के संभावित मार्गों और पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्राइफेड, एनएसटीएफडीसी और केंद्र एवं राज्य सरकार के अन्य मंत्रालयों के विविध जनजातीय शिल्प के साथ-साथ जनजातीय कला और शिल्प के लाइव प्रदर्शनों को प्रदर्शित करने वाले बूथ स्थापित करने की योजना है। जनजातीय उत्पादों का शिल्पवार प्रदर्शन 20 स्टाल में प्रस्तुत किया जाएगा, इसके लिए झारखंड और बिहार के 20 आपूर्तिकताओं और वीडीवीके को उनके उत्पादों के साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसमें देश भर के जनजातीय उत्पादों को प्रदर्शित करने के अलावा विभिन्न शिल्प वार स्टॉल लगाये जाएंगे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में 25 हजार से अधिक जनजातीय सदस्यों के भाग लेने की संभावना है। इसे लेकर सभी तैयारियों को युद्ध स्तर पर अंतिम रुप दिया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होनेवाली हजारों स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बैठने के लिए कार्यक्रम स्थल में विशाल पंडाल बनाया गया है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर बुधवार को भी राज्य के कई वरीय पुलिस प्रशासनिक अधिकारी खूंटी पहुंचे और खूंटी के डीसी और एसपी के साथ बिरसा कॉलेज परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल तथा सिंबूकेल में बनाए गए हेलीपैड स्थल का मुआयना कर सुरक्षा सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर खूंटी शहर में सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है।

एटीएस ने गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को कोर्ट में किया पेश, भेजा गया जेल

CRIME REPORTER RANCHI : आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव को छह दिन के पूछताछ के बाद बुधवार को कोर्ट में पेश किया। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में अमन की पेशी हुई। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया। एटीएस ने 19 मई को पूछताछ के लिए अमन श्रीवास्तव को रिमांड पर लिया था। अमन श्रीवास्तव की गिरफ्तारी 16 मई को हुई थी। अमन श्रीवास्तव को एटीएस टीम ने महाराष्ट्र एटीएस के सहयोग से वासी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे मुंबई कोर्ट में प्रस्तुत कर ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रांची लाया गया था। ट्रांजिट रिमांड की अवधि खत्म होने से पहले उसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 18 मई को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। गैंगस्टर पर कुल 23 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पेशी के बाद अमन श्रीवास्तव को जेल ले जाती एटीएस ● फोटोन न्यूज

वेतन समझौता के लिए एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेन्द्र कुमार का हुआ नागरिक अभिनंदन

मजदूरों के लिए सम्मान जनक रहा है 11वां वेतन समझौता : RAMENDRA KUMAR

PHOTON NEWS RAMGARH

बेहतर व सम्मान जनक 11वां राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता कराने को ले एटक व यूसीडब्ल्यूयू के कार्यकताओं ने एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह जेबीसीसीआई सदस्य रमेंद्र कुमार का भुरकुंडा में नागरिक अभिनंदन हुआ। रिभर साईड भुरकुंडा स्थित यूनियन के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह में रमेंद्र कुमार को कार्यकताओं ने फूल माला से लादकर जोरदार स्वागत किया।

एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेन्द्र कुमार को सम्मानित करते एटक के लोग। ● द फोटोन न्यूज

समारोह की अध्यक्षता बरका-सयाल क्षेत्रीय सचिव बिंध्याचल बेदिया व संचालन यूनियन के केंद्रीय सचिव नरेश मंडल ने किया। समारोह में सीसीएल के बरका-सयाल एरिया, अरगड्डा एरिया, केंद्रीय कर्मशाला, बरकाकाना एरिया, कुज्जु एरिया, हजारीबाग एरिया, केंद्रीय अस्पताल नईसराय, रजरप्पा एरिया, नार्थ कर्णपूरा एरिया, पिपरवार एरिया एवं टंडवा जोनल कमेटी एवं मुख्यालय रांची के प्रतिनिधि शामिल थे।

रमेंद्र कुमार के सम्मान में मानव श्रृंखला भी बनाई गई। साथ ही यूनियन नेताओं द्वारा श्रीफल, बुके, पुष्प गुच्छ व शॉले ओढाकर सम्मानित किया गया। मौके पर रमेंद्र कुमार ने कहा कि 11वां वेतन समझौता मजदूरों के लिए सम्मान जनक रहा। इसमें पांचों श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किया है। हलांकि अभी भी समझौता को ले संशय की स्थिति है।

उन्होंने कहा कि मैंने कोल इंडिया के चेयरमैन से सेवानिवृत होने से पहले समझौता पर केंद्र सरकार से मुहर लगाने की बात कही है। मुहर नही लगी तो पांचो श्रमिक संगठन मिलकर लड़ाई लड़ेगी। समारोह में राज्य एटक महासचिव अशोक यादव, यूनियन के सचिव बिनोद बिहारी पासवान, लखेंद्र राय, प्रेम कुमार, विकास कुमार, अरबिन्द शर्मा, पंकज सिह, राजेन्द्र प्रसाद, बसंत राम, कृष्णा चैहान, अब्दुल्ला, रहमतुल्ला, वरुण कुमार, महादेव मांझी, महलाल मांझी, सुदेश प्रसाद, ललित नारायण राय, रवि कुमार, कर्मा मांझी, अरुण चौधरी, सुशील कुमार सिन्हा, जयनंदन महतो, चिंटू सिह, कुणाल नाथ, अनुज कुमार, जेपीएन सिन्हा, सदानंद सिह, राजेन्द्र साव, जुगल साव, सुनील सिंह, दीपांशु कुमार, उदित कुमार, संजय प्रसाद, प्रेम सिंह, अरबिंद कुमार, मंगरु महतो, चंद्रभान सिह, बीरेंद्र प्रसाद सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

उर्दू विभाग में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

RAMGARH : रामगढ़ महाविद्यालय, रामगढ़ के उर्दू विभाग में साप्ताहिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय था कशीदा निगारी का फन और अहम फनकार। सेमेस्टर छह के पाठ्यक्रम में यह विषय शामिल है। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राजेश कुमार उपाध्याय और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मोहम्मद साजिद हुसैन उपस्थित थे।

राजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि संगोष्ठी का आयोजन एक अच्छा प्रयास है। इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास होता है सिर्फ लेक्चर देने से विद्यार्थियों का विकास संभव नहीं है। प्रो मोहम्मद साजिद हुसैन ने कहा की बगैर मेहनत से कुछ भी हासिल नहीं हो सकता है और मेहनत कभी बेकार नहीं होता है। अतः विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा की तैयारी के लिए मेहनत करने की जरूरत है।

संगोष्ठी में शामिल छात्राएं। ● द फोटोन न्यूज

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शाहनवाज खान ने कहा कि एक दिन में सफलता नहीं मिलती है लेकिन एक दिन सफलता जरूर मिलती है। अर्थात हम निरंतर प्रयास करते रहें तब सफलता की उम्मीद रखें।

संगोष्ठी की शुरूआत शाइस्ता परवीन ने कुरान पाक की तिलावत से की उसके बाद निकहत परवीन ने नाते पाक का नजराना ए अकीदत पेश किया। संगोष्ठी का संचालन तलत आफरीन ने किया। संगोष्ठी में तमन्ना परवीन, रूही परवीन, शमा परवीन, रहबरी नाज, रेहाना परवीन, गुलबनफशा और तमन्ना परवीन ने अपना अपना लेख प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गुलाम अली, वासे अंसारी, कुर्बान अंसारी, असद अंसारी, फैजान अंसारी आदि सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जनसेवकों के सम्मान की लड़ाई में परिवार के सदस्य भी कूदे

रामगढ़ : सरकार को चेताया, परिवार का बजट गड़बड़ाया तो भुगतने पड़ेंगे गंभीर परिणाम

PHOTON NEWS RAMGARH

जनसेवकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल के 16वें दिन अब परिवार के सदस्य भी ठोकने लगे हैं ताल। उपस्थित मातृ शक्ति ने सरकार को सीधे सीधे चेताया कि यदि परिवार का बजट गड़बड़ाया तो सरकार को इसके गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा। जनसेवक सरकार की सम्मान बचाने और अपने विभाग के कार्यों के अतिरिक्त बिना किसी अतिरिक्त लाभ के अन्यान्य विभागों में अतिरिक्त कार्य करने के चक्कर में परिवार को समय नहीं दे पाते हैं और अब ग्रेड पे कम होने से परिवार की समस्याएं और बढ़ेंगी, जिसे हम बर्दास्त नहीं करेंगे।

जनसंवकों के साथ हड़ताल पर बैठे परिवार के अन्य सदस्य। ● द फोटोन न्यूज

जनसेवकों के 10 वर्ष की नियमित सेवा के उपरांत बिना किसी तर्कसंगत कारण कृषि विभाग के द्वारा छल पूर्वक ग्रेड पे कम करने से परिवार का बजट गड़बड़ाएगा। जिससे हड़ताल पर बैठे जनसेवकों के परिवार से उत्साह वर्धन करने आई परिवार की माताएं और बच्चें जनसेवकों के संघर्ष में साथ होने की बात कही।

आज धरना में लोकेश कुमार, अजीत कुमार गुप्ता, आलोक मित्रा, उमेश कुमार, बिमल कुमार बेदिया, महादेव महतो, विकास प्रसाद, विनीता सिंह, अजय कुमार सिंह, अरविंद कुमार महतो, उपेंद्र कुमार, छत्रधारी महतो, ज्ञानी प्रताप भारती, त्रिलोकी नाथ महतो, पंकज कुमार, रवि सागर पाण्डेय, रविन्द्र कुमार महतो, संजीव करमाली, जॉर्ज टुडू, अनिल कुमार महतो आदि शामिल रहे।

लोको पायलट राजू साव का खलारी में मिला शव, छानबीन में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RAMGARH

जवाहर नगर भुरकुंडा निवासी सह गल्ला व्यवसायी बिन्दा साव के 32 वर्षीय पुत्र राजू साव का मंगलवार की रात्रि खलारी-मैक्लुसीगंज रेलवे स्टेशन के बीच पटरी के पास शव मिला है। इसी वर्ष 10 मई को राजू साव की शादी सौंदा डी निवासी काजल कुमारी के साथ हुई थी। लगभग दो सप्ताह की छुट्टी बिताने के बाद वह ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए सोमवार को जवाहर नगर भुरकुंडा स्थित अपने आवास से खलारी गया था।

बताया जाता है कि मंगलवार की देर शाम लगभग 7 बजे घर वालों से मोबाइल पर बात भी की थी। वहीं लगभग साढ़े आठ बजे रात्रि परिजनो को सूचना मिली कि उसका शव खलारी रेलवे स्टेशन से करीब डेढ-दो किमी दूर मिला है। इसकी सूचना मिलते ही परिजनो के चित्कार से पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। परिजनो सहित स्थानीय लोग रात्रि में ही खलारी पहुंचे।

इधर रेलवे के अधिकारी भी पुलिस-प्रशासन के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। राजू के शव के समीप पड़े मोबाइल को पुलिस ने बरामद करते हुए छानबीन शुरू कर दी है। साथ ही मोबाइल में इन कमिंग और आउटगोईंग कॉल की बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है। मालूम हो कि राजू साव लोको पायलट के पद पर कार्यरत था।

इधर शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद उसका शव जवाहर नगर भुरकुंडा पहुंचा। शव पहुंचते ही नव विवाहिता पत्नी काजल सहित माता-पिता व परिजनों के चित्कार से उपस्थित लोगों के आंखों से भी आंसू छलक पड़े। गमगीण माहौल के बीच बुधवार को उसका अंतिम संस्कार रिभर साईड स्थित दामोदर नदी घाट पर किया गया।

सीयूईटी झारखंड के तीन लाख गरीब छात्रों पर आर्थिक प्रहार

PHOTON NEWS RAMGARH

छात्र प्रतिनिधि जीवन कुमार यादव और अभिषेक राज विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति से मिला और मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र के माध्यम से बताया गया कि इस वर्ष स्नातक व स्नातकोत्तर में सीयूईटी प्रवेश परीक्षा के माध्यम नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। छात्र प्रतिनिधि जीवन कुमार यादव ने कहा कि सीयूईटी झारखंड के 3 लाख गरीब छात्रों पर अनावश्यक रूप से किया गया आर्थिक प्रहार है।

झारखंड एक पिछड़ा राज्य है जहां लाखों गरीब घर के बच्चे झारखंड बोर्ड जैक से पढ़ाई करते है जिनकी थोड़ी सी भी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों से पढ़ाई करवाते है। इस वर्ष जैक बोर्ड की 12वीं के परीक्षा में शामिल छात्रों की संख्या लगभग 3 लाख है। सीयूईटी की परीक्षा में शामिल होने का शुल्क झारखंड के कई विश्वविद्यालयों के नामांकन शुल्क से भी अधिक है। जहां 1300-1400 रु में नामांकन हो जाता है वहीं सिर्फ सीयूईटी की परीक्षा में शामिल होने के लिए 1500 रु का शुल्क चुकाना पड़ रहा है।

प्रवेश परीक्षा के लिए छात्र छात्राओं को परीक्षा केंद्र झारखंड राज्य से बाहर बिहार ओडिशा, कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में दिया जा रहा है। जिसकी जानकारी छात्रों को परीक्षा के महज कुछ दिन पहले ही हो पा रही है। अभिषेक राज ने कहा कि सीयूईटी जबरन थोपी गई नीति है। यदि कोई छात्र सीयूईटी में अच्छा स्कोर कर जाता है और इंटर में फेल हो जाता है तो उसका नामांकन नही होगा ऐसी स्थिति में छात्र का पैसा डूब जाएगा।

अलग अलग बोर्ड के छात्र इस परीक्षा में शामिल होंगे जहां राज्य के बोर्ड के छात्रों को वरियता नही मिल पाएगी। अन्य राज्य में केंद्र के कारण हजारों छात्र परीक्षा नही देने जा पाए है।

इंटरमीडिएट विज्ञान में स्टेट टॉपर दिव्या कुमारी को बधाई देने पहुंची रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी

दिव्या कुमारी को बुके देकर बधाई देती विधायक सुनीता चौधरी। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH

झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से मैट्रिक एवं इंटर साइंस की परीक्षा पर जारी किया गया जिसमें गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ कैंट की छात्रा दिव्या कुमारी 479 अंक प्राप्त कर स्टेट टॉपर बनी। इस अवसर पर रामगढ़ की नवनिर्वाचित लोकप्रिय विधायक श्रीमती सुनीता चौधरी ने बुके देकर दिव्या कुमारी का स्वागत किया। साथ ही मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विधायक ने कहा कि दिव्या कुमारी ने पूरे राज्य में रामगढ़ जिले को एक अलग पहचान दिलाई है। इससे पूरा रामगढ़ गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इनके उच्च शिक्षा के लिए आजसू पार्टी आपके साथ खड़ी है।

बधाई देने वालों मे आजसू छात्र संघ जिला अध्यक्ष देवा महतो, रामगढ़ महाविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष रोहित सोनी, छात्र संघ नगर अध्यक्ष अंकित अग्रवाल, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष अनुपमा सिंह, दीपू गुप्ता, गगन चौधरी, पूनम शर्मा, बबीता सिंह, नीरज मंडल, संजय बनारसी, सुमित सिंह, इमरान खान, युवराज दुबे, अजय प्रसाद, रॉकी यादव आदि लोग मौजूद थे।

पूर्व विधायक प्रत्याशी धनंजय कुमार पुटूस ने स्टेट टॉपर दिव्या को दी बधाई

RAMGARH : रामगढ़ शहर के विकास नगर निवासी दिव्या कुमारी ने जैक बोर्ड के इंटर साइंस में स्टेट टॉप कर जिला का नाम रौशन किया है। दिव्या कुमारी के स्टेट टॉप करने की खबर फैलते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। बुधवार को रामगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी सह आरबीएसएस के केन्द्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस अपने समर्थकों के साथ दिव्या कुमारी के घर पहुंच कर उन्हें बधाई दी।

धनंजय कुमाए पुटूस ने कहा कि एक गरीब परिवार से आने वाली दिव्या ने अभाव में अपने मेहनत और लगन के दम पर अपने माता-पिता व परिवार के साथ-साथ जिला का नाम भी रौशन किया है। दिव्या मेडिकल की पढ़ाई करना चाहती है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इनकी पढ़ाई का पूरा खर्चा राज्य सरकार उठाए। बधाई देने वालों में असलोक बिहारी रामा, कुसुम देवी, चंदा सिन्हा, गौरभ वर्मा, सुमित सिंह, मो० इमरान, अजय राम, अमर मुंडा उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भुरकुंडा की दो बालिकाओं का हुआ चयन

खेलों में भी करियर की असीम संभावनाएं : हरिनाथ महतो

PHOTON NEWS RAMGARH

वर्तमान समय में लड़किया हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं। किसी भी क्षेत्र में लड़कियां लड़को से कम नहीं है। इसी कड़ी में राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए भुरकुंडा की दो बालिकाओं का चयन है। इससे भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रो में हर्ष का माहौल है।

'चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित करते बीडीओ व कोच कंचन दास। ● द फोटोन न्यूज

मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डो फेडरेशन भुरकुंडा शाखा के कोच सह चयनित खिलाड़ियों के प्रशिक्षक कंचन दास ने बताया कि दोनो खिलाड़ी आगामी 27 व 28 मई को रजरप्पा डीएवी मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखायेंगी। दोनों छात्राओं की सफलता पर बुधवार को पतरातू बीडीओ हरिनाथ महतो ने मेडल व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी करियर की असीम संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि खेल व खिलाड़ियों के बढ़ावा के हर सार्थक कदम उठाया जायेगा। बीडीओ ने कहा कि खेल-कूद जीवन का अभिन्न अंग होता है। इससे शारीरिक व मानसिक विकास तो होता ही है यह हमें अनुशासन की भी सीख देता है।

मौके पर प्रशिक्षक सेंसाई कंचन दास ने बताया कि चयनित छात्रा 14 वर्षीय आस्था सिंह पिता पंकज सिंह और 16 वर्षीय सृष्टि कुजूर पिता अशोक कुजूर पूर्व में भी जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर अपने माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

उन्होंने बताया कि दोनो छात्राएं ए ला एंगलाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में अध्ययरत हैं, मुझे पूरा विश्वास है कि अपनी मेहनत के बदौलत ये दोनो बालिकाएं जिला ही नहीं राज्य व देश-विदेश में होने वाले प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर कोयलांचल भुरकुंडा का नाम रोशन करेंगी।

BRIEF NEWS

कुलपति से मिला NSUI का प्रतिनिधिमंडल, की बैकलॉग छात्र-छात्राओं को परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति की मांग

कुलपति से मिलता प्रतिनिधिमंडल ● द फोटोन न्यूज

RANCHI : एनएसयूआइ का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को रांची विश्वविध्यालय के प्रति कुलपति डॉ अरून कुमार सिन्हा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर बैकलॉग छात्र-छात्राओं को परिक्षा फॉर्म भरने की अनुमति की मांग रखी। कार्यकारी जिलाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा की अनेक महाविद्यालय के बैकलॉग छात्र-छात्राओं का परिक्षा फॉर्म छूटा हुआ है, जिनका किसी कारण वर्ष छूटा है वैसे छात्र छात्राओं को एक और मौका दिया जाए। सत्र 20-23 के छात्र छात्रओं का सेमेस्टेर 1, सत्र 21- 24 सेमेस्टर 3, सत्र 22-26 सेमेस्टेर 1 और 3 रांची विश्वविधालय अंतर्गत अनेकों महाविद्यालय शामिल है। इनमें मारवाड़ी कॉलेज, डोरंडा कॉलेज, एस.एस मेमोरयल, एस.जी.एम कॉलेज, राम लखन कॉलेज, बी.एस.के कॉलेज लोहरदगा एवं मन्डर कॉलेज। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने राँची विश्विद्यालय प्रशासन से मांग की छात्रहित को देखते हुए ऐसे छात्रों के समस्या का निदान किया जाए। प्रति कुलपति ने कहा की हम कुलपति महोदय से वार्ता करेंगे एवं छात्रहित में यथासंभव प्रयास करेंगे। मौके पर जिला महासचिव पवन कुमार, महासचिव इकबाल अख़्तर आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सरना आवासीय उच्च विद्यालय कोठार का मैट्रिक परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट

RAMGARH : सरना आवासीय उच्च विद्यालय कोठार के मैट्रिक परीक्षा में शत प्रतिशत रिजल्ट रहा कुल छात्र 41ेल्ल री 41ज्ञ१२३ जिसमें अशोक कुमार महतो 457 नंबर अर्थात अर्थात अर्थात 91 पॉइंट 4 0% लाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया दूसरे स्थान पर निशा कुमारी 447 नंबर अर्थात 89 पॉइंट 4 0% तीसरे स्थान पर सुमित कुमार 441 नंबर 88 पॉइंट 20 प्रतिशत चौथे स्थान पर रिया कुमारी 429 नंबर अर्थात 85 पॉइंट 80% पांचवें स्थान पर राखी कुमारी 407 अर्थात 81.40% छठे स्थान पर पूजा कुमारी 407 नंबर अर्थात 81 पॉइंट 40% नंबर लाकर विद्यालय टॉपर रहे ग्राम विद्यालय परिवार और तमाम ग्राम वासियों ने बच्चों को शुभाशीष दिया है।

जिले के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में किया गया नि:क्षय दिवस का आयोजन

RAMGARH : देश को वर्ष 2025 तक पूरी तरह से टीवी मुक्त बनाने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय यक्ष्मा विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक माह के 24 तारीख को निःक्षय दिवस मनाए जाने का निर्देश प्राप्त है। इसी क्रम में दिनांक 24 मई 2023 को रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में कार्यरत सी०एच०ओ० के द्वारा अपने अपने स्वास्थ्य केंद्र संस्थान में निःक्षय दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पी०आर०आई० सदस्यों, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं सहियाओं के द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन कर लोगों को टी०बी० के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही सी०एच०ओ० के द्वारा अपने-अपने हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में टी०बी० के संदिग्ध लोगों का बलगम सैंपल लिया गया वही आम लोगों को टी०बी० के लक्षण एवं इससे बचाव के उपाय से अवगत कराया गया।

आरबी हाई स्कूल सांडी एवं बड़कीपोना के छात्रों का प्रदर्शन बेहतर, शत प्रतिशत रहा दसवीं का परिणाम

RAMGARH : आरबी हाई स्कूल सांडी एवं बड़कीपोना उत्क्रमित उच्च विद्यालय का मैट्रिक का परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में इस स्कूल से 223 छात्र-छात्राएं सम्मलित हुए थे। जिनमें प्रथम 149 द्वितीय 68 फेल 05 अनुपस्थिति एक रहा. छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छे प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए। स्कूल के संतोषी कुमारी 94 नंदनी कुमारी 88.20 एवं सुषमा कुमारी 87.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉपर रही। वहीं बड़कीपोना से प्रथम 61 द्वितीय 330 तृतीय 01 फेल 02 अनुपस्थिति एक रहा. जिनमें काजल कुमारी 88.2 अंजू कुमारी 85.2 एवं स्वीटी कुमारी 82.2 अंक लाकर विद्यालय टॉपर रही. विद्यालय के प्राचार्य प्राचार्य मनोज मिश्रा, सुजाता कुमारी सहित शिक्षक रवि केसरी, प्रदीप कुमार महतो, निहारिका कुशवाहा, पिंकी कुमारी, हिना परवीन, मनोहर करमाली, सोनू करमाली, प्रेमचंद पोद्दार, मुकेश महतो, जीवन लता कुमारी, मोबिन अंसारी, कुमारी भारती, बबलू कुशवाहा ने सभी सफल प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है।

धवैया विद्यालय का शत प्रतिशत रहा परिणाम

RAMGARH : जैक द्वारा जारी मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में उत्क्रमित उच्च विद्यालय धवैया (महुआटाड) के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा. परीक्षा में इस स्कूल से 57 छात्र-छात्राएं सम्मलित हुए थे। जिनमें प्रथम 42 द्वितीय 12 तृतीय एक एवं फेल 02 रहा. जिनमें विद्यालय टॉपर बाबूलाल महतो, सेकंड टॉपर रिया कुमारी- पिता इंदर करमाली एवं थर्ड टॉपर नेहा कुमारी रही. छात्राओं की सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य मुंशी कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई दी। प्राधानाध्यापक ने कहा कि बच्चों के कठिन परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का ही नतीजा है कि बच्चों ने बेहतर सफलता प्राप्त की। इसके लिए बच्चों के अभिभावक तथा विद्यालय प्रबंधन बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी सफल छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई दी. बधाई देने वालों में शिक्षक पूर्व प्राचार्य बुधन करमाली, तुलसी प्रसाद मांझी आदि शामिल हैं।

स्टूडेंट्स कोचिंग सेंटर के शत-प्रतिशत छात्रों ने मारी बाजी

RAMGARH : जैक द्वारा जारी मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में स्टूडेंट्स कोचिंग सेंटर बड़कीपोना का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा. कुल 18 विद्यार्थियों में से 18 फर्स्ट डिवीसन से पास हुए. जिनमें दिव्या कुमारी 79.40, सुधा कुमारी 77.20, अनु कुमारी 76.20, पंकज कुमार 73.40, दिव्यानी कुमारी 71.00, अनिकेत कुमार 70.20, अनुष्का कुमारी 69.00, शिवानी कुमारी 69.00, करण कुमार 69.00, खुशबू कुमारी 68.80, स्वेता कुमारी 68.20, अनुराग कुमार 68.20, ऋतिक कुमार 68.00, अमन कुमार 67.60, अन्नु कुमारी 66.60, प्रेम कुमार 66.60, प्रिंस कुमार 63.20, विशाल कुमार 63.00 अंक प्राप्त कर सेंटर का नाम रोशन किया. कोचिंग के निदेशक आकाश कुमार, शिक्षक प्रिया कुमारी, दीपक कुमार ने सभी बच्चों को सफलता की शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।निदेशक ने बताया कि मेरे संस्थान में छात्रों के परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए अलग से स्मार्ट क्लास की सुविधा दी जाती है।

पलामू में गर्भपात की दवा खाने पर नाबालिग छात्रा की बिगड़ी हालत, भर्ती

PALAMU : जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय की एक नाबालिग छात्रा की तबीयत बिगड़ गई. उसे आनन-फानन में एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया. वह तीन महीने की गर्भवती है। बताया जाता है कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय की कक्षा आठ की छात्रा का प्रेम प्रसंग स्कूल के ही सातवीं के छात्र के साथ था. दोनों के बीच शारीरिक संबंध स्थापित हुआ और छात्रा गर्भवती हो गई. 10 दिन पहले उसने गर्भपात की गोली खा ली थी. तबीयत बिगड़ने पर उसकी मां ने एमआरएमसीएच के महिला वार्ड में भर्ती कराया है। रामगढ़ के थाना प्रभारी प्रभात रंजन राय ने बताया कि छात्रा की तबीयत ठीक होने पर उसका बयान लिया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तिसिया में वन बचाएं, जल बचाएं और ऊर्जा बचाएं पर कार्यक्रम आयोजित

LOHARDAGA : किस्को प्रखंड के पाखर पंचायत के तिसिया में वन विभाग की ओर से बुधवार को वन बचाएं, जल बचाएं, ऊर्जा बचाएं लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट अपनाएं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ एपीसीसीएफ संजीव कुमार,सीएफ थंगा पाण्डेयन, डीएफओ अरविंद कुमार एंव आरएफओ अरूण कुमार सहित अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से के सखुआ के पेड़ पर रक्षा सूत्र बांधकर किया। इससे पूर्व तिसिया ग्राम के पाहन बुधराम मुंडा के द्वारा विधिवत रूप से पुजा अर्चना कर रक्षा सूत्र बांधने का कार्यक्रम को संपन्न कराया गया।

तेजस्वी बोले-नई संसद का उद्घाटन राष्ट्रपति करें, पीएम नहीं

आरजेडी-जेडीयू ने उद्घाटन समारोह से बनाई दूरी

आरजेडी और जेडीयू ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के उद्घाटन कार्यक्रम का हम विरोध करेंगे। राष्ट्रपति से उद्घाटन कराना चाहिए था। उनसे नहीं कराकर राष्ट्रपति का अपमान किया जा रहा है। इसलिए पार्लियामेंट के सत्र के उद्घाटन सत्र का सभी विपक्षी दल मिलकर बायकॉट करेंगे। तेजस्वी दिल्ली से पटना लौटने के बाद पटना एयरपोर्ट पर बोल रहे थे। बता दें कि 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद की नई बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। कांग्रेस ने पहले ही इसका विरोध किया है। साथ ही ममता बनर्जी की टीएमसी, अरविंद केजरीवाल की आप, एनसीपी, डीएमके, शिवसेना (उद्धव गुट), सीपीआई, सीपीआई(एम) और वीसीके भी विरोध में शामिल हैं।

19 विपक्षी दलों ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के लिए एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा, "जब लोकतंत्र की आत्मा को संसद से चूस लिया गया है, तो हम नए भवन में कोई मूल्य नहीं पाते हैं। राज्यसभा सदस्य और आरजेडी प्रवक्ता मनोज झा ने कहा कि राष्ट्रपति से इसका उद्घाटन कराया जाना चाहिए, लेकिन प्रधानमंत्री की अपनी च्वॉइस है। वे कहां सुनते हैं किसी की। अब सभी विपक्ष ने तय किया है कि यह संदेश दिया जाए ताकि जब इतिहास लिखा जाए तो लोग जाने कि विपक्ष के अधिकांश दलों ने इस बात की राय रखी कि संविधान सर्वोपरि है। कोई भी ऐसी चीज नहीं हो कि राष्ट्रपति के मान में कोई कमी आए। अभी भी मैं प्रधानमंत्री से अपील करूंगा कि वो इसमें करेक्शन करें।

इतिहास सब कुछ स्मरण करेगा। देश के नए संसद भवन समारोह से जदयू ने भी किनारा कर लिया है। जनता दल यूनाइटेड ने समारोह में जाने से मना कर दिया है। पार्टी ने नए भवन के निर्माण में लगाई गई राशि को फिजूल खर्ची बताया है। साथ ही इस पुरखों का अपमान भी करार दिया है। जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने कहा कि नए भवन का निर्माण का मतलब क्या है। यह फिजूल खर्ची है। खासकर तब जब देश में अग्निवीर, जो सीमा की सुरक्षा करते हैं उन्हें पेंशन देने के लिए पैसे नहीं है। पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने आगे कहा है कि देश में महंगाई चरम सीमा पर है। बेरोजगारी सातवें आसमान पर है। हमारे पुरखों की विरासत को अपमान कर रहें है। आपके मन में सम्मान का भाव नहीं है। इसलिए हम समारोह से बाहर रहेंगे। इधर विपक्ष के बहिष्कार पर बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री को निशाने पर लिया है। उन्होंने सवाल उठाए कि देश के प्रधानमंत्री नहीं उद्घाटन करेंगे क्या। बिहार में विधानसभा का उद्घाटन नीतीश कुमार ने ही किया था ना। वो शिलापट्ट तुड़वाएंगे क्या। अगर मुख्यमंत्री शिलापट्ट तुड़वाएंगे तो आगे बात करेंगे। 862 करोड़ रुपए में बने नए संसद भवन का काम पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। नए संसद भवन का निर्माण 15 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। इस बिल्डिंग को पिछले साल नवंबर में पूरा हो जाना था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनी ये बिल्डिंग प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे 28 महीने में बनाया गया। पुराना संसद भवन 47 हजार 500 वर्गमीटर में है, जबकि नई बिल्डिंग 64 हजार 500 वर्ग मीटर में बनाई गई है। यानी पुराने से नया भवन 17 हजार वर्ग मीटर बड़ा है। नया संसद भवन 4 मंजिला है। इसमें 3 दरवाजे हैं, इन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। सांसदों और श्क्ढ२ के लिए अलग एंट्री है। इस पर भूकंप का असर नहीं होगा। इसका डिजाइन ल्उढ डिजाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने तैयार किया है। इसके आर्किटेक्ट बिमल पटेल हैं। मौजूदा संसद भवन को 96 साल पहले 1927 में बनाया गया था। मार्च 2020 में सरकार ने संसद को बताया था कि पुरानी बिल्डिंग ओवर यूटिलाइज्ड हो चुकी है

मुजफ्फरपुर में मिलावटी सोने पर 7.70 लाख का लोन

मुजफ्फरपुर में मिलावटी सोने के गहने पर बैंक से 7.70 लाख रुपए लोन लेने का मामला सामने आया है। किश्त जमा नहीं होने पर जब बैंक ने वैल्यूएशन कराया तो गहने के भीतर दूसरा मेटल पाया गया। जिसके बाद बैंक के होश उड़ गए। मामला शहर के मोतीझील स्थित बैंक ऑफ इंडिया का है। इस शाखा से 254 ग्राम मिलावटी सोने के ज्वेलरी देकर 7.70 लाख रुपए लोन लिया गया। बैंक में लोन की किश्त जमा नहीं होने पर जब ग्राहक के द्वारा जमा किये गये सोने की ज्वेलरी का वैल्यूएशन कराया गया तो आभूषण में दूसरा मेटल पाया गया। इसका कलर भी बदल गया। मामले को लेकर बैंक ऑफ

इंडिया के चीफ मैनेजर रामानुज ने मंगलवार को नगर थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। इसमें न्यू कॉलोनी बालूघाट राज नारायण सिंह कॉलेज के सटे दक्षिण दिशा में रहने वाले अभिषेक सिंह को आरोपी बनाया गया है। पुलिस एफआईआर के आधार पर मामले की जांच में जुट गयी है। लोन लेने के समय अभिषेक द्वारा प्रस्तुत किये गये ज्वेलरी को 22 कैरेट का सोना बताकर उसका वैल्यूएशन करने वाले कर्मी की भूमिका के बारे में जानकारी जुटायी जा रही है। थाने में दर्ज एफआईआर में बैंक के चीफ मैनेजर रामानुज ने बताया है कि आरोपी अभिषेक सिंह ने उनके मोतीझील ब्रांच में सोने की नेकलेस और चूड़ियां जमा कर गोल्ड लोन लेने के लिए फॉर्म डाला था।

भोजपुर में सड़क हादसा, सिविल इंजीनियर समेत 4 घायल

भोजपुर में मंगलवार को सड़क हादसे में कार सवार सिविल इंजीनियर समेत चार दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल लाया गया। जहां से डॉक्टर ने उन्हें आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। हादसा जिले के आरा-बक्सर नेशनल हाईवे स्थित कुंडेश्वर एवं बिलौटी गांव के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार घायलों में यूपी के जौनपुर जिला के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर बक्सा गांव निवासी महेंद्र प्रताप सिंह का पुत्र सुधीर प्रताप सिंह, कोतवाली थाना क्षेत्र के रूहट्टा गांव निवासी रणविजय सिंह का पुत्र सौरभ सिंह, जगदीश प्रसाद उपाध्याय का पुत्र हिमांचल उपाध्याय उर्फ सत्यव्रत उपाध्याय एवं गोरखपुर जिला के पीपीगंज थाना क्षेत्र के पीपीगंज गांव निवासी गुलशन विश्वकर्मा का पुत्र सत्येंद्र विश्वकर्मा शामिल है। इसमें सुधीर प्रताप सिंह पेशे से सिविल इंजीनियर है एवं वह मध्यप्रदेश के उज्जैन में ओजस एग्रो कंपनी में सिविल इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। जबकि जख्मी हिमांचल उपाध्याय उर्फ सत्यव्रत उपाध्याय जौनपुर में स्थित एचडीएफसी बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। इधर सुधीर प्रताप सिंह ने बताया कि वे सभी दोस्त वाराणसी से कार पर सवार होकर सिक्किम घूमने जा रहे थे। जाने के क्रम में उन्होंने बक्सर लाइन होटल पर रुक कर खाना खाया। खाने के बाद सभी वहां से सिक्किम के लिए निकल पड़े। उस समय वह एक अन्य दोस्त के साथ कार के पीछे बैठे हुए थे। जबकि हिमांचल उपाध्याय उर्फ सत्यव्रत उपाध्याय कार चला रहा था। जैसे ही उनकी कार कुंडेश्वर एवं बिलौटी गांव के बीच पहुंची। तभी आगे जा रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दी। जिससे उनकी कार अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। जिससे सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए शाहपुर रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव के समीप सड़क हादसे में मंगलवार की देर शाम बाइक सवार दो किशोर गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए चरपोखरी पीएसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को आरा रेफर कर दिया गया।

पूर्णिया में वज्रपात से किशोरी की मौत

पूर्णिया में वज्रपात से एक 14 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान संझाघाट निवासी शैलेंद्र ऋषि के 14 वर्षीय पुत्री रजनी कुमारी के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों ने बताया कि रजनी तीन भाई बहन में सबसे छोटी थी। दोनों बड़े भाई और पिता पंजाब में मजदूरी का काम करते हैं। हादसा जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र के संझाघाट में हुआ। घटना की जानकारी देते हुए रजनी के परिजनों ने बताया कि वह मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे मकई का जलावन चुनने के लिए घर के पास वाले बहियार गई थी। जहां वज्रपात से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों ने घटना की जानकारी मीरगंज थाना पुलिस को दी। मीरगंज थाना पुलिस संझाघाट गांव पहुंचकर किशोरी के लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया।

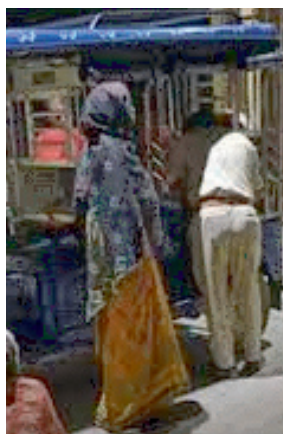

मरीगंज के संझाघाट में ठनका गिरने से किशोरी की मौत से पहले पूर्णिया के हरदा में आंधी की वजह से एक आशा कार्यकर्ता की मौत हो गई। बताया जाता है कि आंधी की वजह से महिला के ऊपर दीवार गिर गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान हरदा पंचायत के ठढ़ा रोड निवासी गीता देवी की रूप में हुई है।

सुपौल में दो महिलाओं को कार ने रौंदा

सुपौल पिपरा मुख्य मार्ग में एनएच-327 ए पर तेज रफ्तार में कार ने पैदल जा रही दो महिलाओं को रौंद डाला। जिसमें 48 वर्षीय महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं, 46 वर्षीय महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। दोनों सब्जी लेने बाजार गई थी। दूसरी तरफ कार सवार दो व्यक्ति भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हालांकि स्थानीय लोगों ने सभी को सुपौल सदर अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा दिया। मृतका 48 वर्षीय सरो देवी पति डोमी सादा पिपरा थाना अंतर्गत कटैया माही पंचायत के कटैया वार्ड-7 निवासी है। जख्मी 46 वर्षीय अनीता देवी भी वार्ड-7 निवासी हैं। कार सवार दो व्यक्ति कटिहार के निवासी बताए जा रहे हैं। जिसमें एक 35 वर्षीय सनी श्रीवास्तव दूसरा 30 वर्षीय कुणाल किशोर हैं। मृतका के देवर नरेश सादा ने कहा कि मंगलवार की देर शाम मेरी भाभी 48 वर्ष

सरो देवी और पड़ोस में रहने वाली 45 वर्ष अनीता देवी निर्मली बाजार सब्जी लेने के लिए गई हुई थी। दोनों अपने घर सुपौल पिपरा मुख्य मार्ग से पैदल लौट रहीं थीं। इसी दौरान पिपरा की तरफ से आ रही कार ने उन्हें रौंद डाला। जिससे मेरी भाभी की मौके पर ही मौत हो गई। भाभी के साथ अनीता देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। दूसरी तरफ कार में सवार दोनों व्यक्ति भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने सभी को बेहतर इलाज के लिए सुपौल सदर अस्पताल पहुंचाया। सदर अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सक ने मेरी भाभी को देखते ही मृत घोषित कर दिया। जबकि जख्मी अनीता देवी खून से लथपथ थी। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने घायल महिला को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मृतका के देवर का आरोप है कि कार सवार दोनों व्यक्ति शराब के नशे में थे। जिस वजह से हादसा हुआ है। परिजनों ने सरकार और जिला प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की है। साथी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मांग पूरी नहीं की गई तो बुधवार को सुपौल-पिपरा मुख्य मार्ग जाम कर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। पिपरा थाना अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने कहा कि सड़क हादसे में एक महिला की मौत हुई है। जबकि 3 लोग जख्मी हैं। सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। कार जब्त कर कानूनी कार्रवाई पुलिस कर रही है।

मनोकामना मंदिर में लगातार 12 साल से जल रही दीप

यहां बाबा मणिराम ने ली थी जीवित समाधि

नालंदा में एक ऐसा मंदिर है जहां पिछले 12 साल से लगातार अखंड ज्योति जल रही है। जिला मुख्यालय बिहार शरीफ के दक्षिण पूर्व कोने पर स्थित बाबा मणिराम का अखाड़ा, जिसे अब मनोकामना पूरण मंदिर के नाम से जाना जाता है। हर साल आषाढ़ पूर्णिमा के दिन से सात दिवसीय मेला लगता है। हजारों श्रद्धालु समाधि पर लंगोट अर्पण कर मन्नत मांगते हैं। पहले लोग बाबा की समाधि स्थल को बाबा मणिराम के अखाड़ा के नाम से जानते थे।ल्ल लेकिन अब इसे मनोकामना पूरण मंदिर नाम दिया गया है। मनोकामना पूरण मंदिर नाम रखने के पीछे का रहस्य यह है कि बाबा की कृपा इतनी है कि इनके दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता है। सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना बाबा अवश्य पूरी करते हैं। मनोकामना पूरण मंदिर के पुजारी विश्वनाथ मिश्रा बताते हैं कि साल 2012 में अयोध्या के बड़ी छावनी से अखंड ज्योति बाबा मणिराम अखाड़ा लायी गयी है। 24 घंटे में दो बार इसमें घी डाला जाता है। जो पिछले 12 साल से अनवरंत जल रही है। ऐसी मान्यता है कि वर्ष 13 सौ में बाबा मणिराम ने जीवित समाधि ली थी। कालांतर में बाबा के अनुयायियों ने समाधि स्थल पर मंदिर बनाकर पूजा पाठ शुरू कर दी। बाबा के समाधि के बगल में ही उनके चार शिष्यों की भी समाधि बनाई गई है। इनमें अयोध्या निवासी राजा प्रहलाद सिंह व वीरभद्र सिंह तथा बिहार शरीफ निवासी कल्लड़ मोदी और गुही खलीफा की समाधि है। बाबा मणिराम के बारे में कई तरह की कथाएं प्रचलन में है। उन्हीं में से एक प्रचलन यह भी है कि श्री श्री 108 श्री बाबा मणिराम का आगमन बिहार शरीफ में 1238 ईस्वी में हुआ था। वे अयोध्या से चलकर यहां आए थे। बाबा ने शहर के दक्षिण छोर पर पंचाने नदी के पिस्ता घाट को अपना पूजा स्थल बनाया था। वर्तमान में यही स्थल अखाड़ा पर के नाम से प्रसिद्ध है। ज्ञान की प्राप्ति और क्षेत्र की शांति के लिए बाबा घनघोर जंगल में रहकर मां भगवती की पूजा अर्चना करने लगे एवं लोगों को कुश्ती सीखाते थे। मंदिर के सचिव बताते हैं कि 6 जुलाई 1952 में बाबा के समाधि स्थल पर लंगोट मेले की शुरूआत हुई थी। इसके पहले रामनवमी के मौके पर श्रद्धालु बाबा की समाधि पर पूजा अर्चना करने आते थे। उस वक्त के उत्पाद निरीक्षक कपिल देव प्रसाद के प्रयास से मेला की शुरूआत हुई थी। तब से हर वर्ष आषाढ़ पूर्णिमा के दिन सात दिवसीय मेला यहाँ लगता है। जहां सबसे पहले जिला प्रशासन के द्वारा लंगोट अर्पण बाबा की समाधि पर की जाती है। बाबा मखदूम साहब, बाबा मणिराम के अध्यात्म से प्रभावित होकर शेर पर सवार होकर मिलने के लिए आए, बाबा मणिराम के शिष्य गुही खलीफा इस बात की जानकारी देने उनके पास आए, सुबह का समय था। उस वक्त बाबा मणिराम दीवाल पर बैठे हुए थे। तब उन्हें लगा कि इतने बड़े संत हैं 2 कदम चलकर उनसे मिलना चाहिए, तब उन्होंने दीवार को ही चलने का आदेश दे दिया और कहा कि चल चल रे दीवार, इसके बाद दीवार फट गया और चलने लगा। बाबा मखदूम ने बाबा मणिराम से कहा कि आप ही बिहार शरीफ को संभालिए इसके बाद बाबा मनीराम ने कहा कि आप अपने स्थान पर सही है और हम अपने स्थान पर, दोनों अपनी अपनी जगह पर इबादत और पूजा करें इसमें किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं है। बाबा मणिराम अखाड़ा परिसर में विराट दंगल प्रतियोगिता का 35 साल बाद इस वर्ष जनवरी में आयोजन किया गया था। जिसमें पड़ोसी देश नेपाल, यूपी, हरियाणा, कोलकाता, बिहार समेत अन्य राज्यों के दर्जनों पहलवानों ने हिस्सा लिया था। विलुप्त होती इस परंपरा को फिर से पूर्ण जीवित करने का प्रयास मंदिर के सचिव अमरकांत भारती के द्वारा किया गया है। बाबा मणिराम इसी स्थल पर लोगों को पहलवानी का गुर सिखाते थे और यहां उनसे दूर-दूर से लोग आकर कुश्ती सीखते थे।

संक्षिप्त -समाचार

संसद के नए भवन उद्घाटन पर सियासत

देश के नए संसद भवन समारोह से जदयू ने किनारा कर लिया है। जनता दल यूनाइटेड ने समारोह में जाने से मना कर दिया है। पार्टी ने नए भवन के निर्माण में लगाई गई राशि को फिजूल खर्च बताया है। साथ ही इसे पुरखों का अपमान भी करार दिया है। जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने बयान दिया है। नीरज कुमार ने बयान देते हुए कहा है कि नए भवन का निर्माण का मतलब क्या है। यह फिजूल खर्ची है। खासकर तब जब देश में अग्निवीर जो सीमा की सुरक्षा करते हैं उन्हें पेंशन देने के लिए पैसे नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी के पीढ़ी को नौकरी नही दे रहें है। सीएम नीतीश कुमार स्वतंत्रता सेनानी की तीसरी पीढ़ी को क्षैतिज दो फीसदी का आरक्षण दे रहें है। आप क्या कर रहें है। नीरज कुमार ने आगे कहा है कि बीजेपी का संस्कार पुरखों का अपमान करना है। संसद भवन नया बनाने का क्या औचित्य रहा है। कोविड के दौरान मरने वाले को आप पचास हजार रुपए दे रहें थे और उसी समय इसे बना रहें थे। पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने आगे कहा है कि देश मे महंगाई चरम सीमा पर है। बेरोजगारी सातवें आसमान पर है। हमारे पुरखों की विरासत का अपमान कर रहें है। आपके मन में सम्मान का भाव नहीं है। इसलिए हम समारोह से बाहर रहेंगे।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत

मंगलवार को बिहार के 16 जिलों में बारिश हुई। इस दौरान अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। राज्य में आज भी बारिश का अलर्ट है। 48 घंटे मौसम इसी तरह का रहने वाला है। मौसम विभाग ने 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है। पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, अररिया किशनगंज में भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पटना में सुबह से बादल छाए रहे। 9 बजे के आसपास हल्की बूंदाबांदी हुई। बुधवार सुबह से ही राज्य के कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से दरभंगा में 3, बेगूसराय में 2 और वैशाली में 1 व्यक्ति की मौत हुई है। सीएम नीतीश कुमार ने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल 4-4 लाख रुपए की मदद देने के निर्देश दिए हैं। वहीं बीते 24 घंटे के दौरान औरंगाबाद और किशनगंज को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों के अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं पटना सहित राज्य के अधिकतर जिलों के अधिकतम तापमान में सोमवार के मुकाबले मंगलवार को काफी गिरावट दर्ज की गई। पटना के अधिकतम तापमान में 7.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री दर्ज रहा। वहीं 42.8 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म औरंगाबाद जिला रहा। बिहार 18 जिलों में 194 एमएम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश (65.2 एमएम) अररिया में हुई। पटना में 1.4 एमएम बारिश हुई। बारिश के चलते बिहार के सभी हिस्से में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। यह सामान्य से 2से 7 डिग्री कम है।

बिहार में चौपर पर सियासत

बिहार में चौपर को लेकर सियासत शुरू हो गई है। बुधवार को दरभंगा में बीजेपी का कार्यक्रम हैं। इस कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी और सांसद संजय जायसवाल को शामिल होना है। दरभंगा जाने के लिए पार्टी की तरफ से हेलीकॉप्टर का इंतजाम किया गया है। तय प्रोग्राम के मुताबिक किराए के चौपर से सम्राट चौधरी और पार्टी के दूसरे नेता दरभंगा जाते और फिर वापस लौट आते। लेकिन सिविल एवियशन डिपार्टमेंट ने पार्किंग देने से मना कर दिया। बीजेपी ने चौपर को पटना बुलाने से पहले बिहार स्टेट हैंगर में उसके ठहराव के लिए इजाजत मांगी थी। लेकिन सिविल एवियशन डिपार्टमेंट ने पार्किंग देने से मना कर दिया। विभाग ने पार्किंग नहीं देने के पीछे एयरपोर्ट पर निर्माण कार्य और स्टेट हैंगर में कम जगह होने का हवाला दिया है। इस फैसले पर बीजेपी ने सवाल उठाया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अरविंद सिंह ने बिहार सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी आंखों का कांटा बने हुए हैं। वह नहीं चाहते हैं कि सम्राट चौधरी चौपर से सफर करें। इसलिए बिहार सरकार हेलीकॉप्टर को बिहार में पार्किंग देने से मना कर रही है। बीजेपी के आरोप पर जदयू की तरफ से भी पलटवार किया गया है। जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा है कि सरकार कायदे और कानून से चलती है। हर काम यहां कानून के हिसाब से होते हैं । बिहार सरकार के जो कुछ भी नियम कानून हैं उसको फॉलो किया जाएगा। बिहार सरकार के लिए सभी एक समान हैं।

बांका में साइबर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

कटोरिया थाना क्षेत्र में साइबर फ्रॉड गैंग का पदार्फाश हुआ है। साइबर गिरोह के 4 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से एक लैपटॉप, 71 मोबाइल, 2 कार, 3 मोटरसाइकिल, 38 नए सिम, 17 हजार नगद राशि और अन्य सामाग्री बरामद किए हैं। मंगलवार शाम 7:30 में बांका एसपी डॉ. सत्य प्रकाश ने पीसी के माध्यम से जानकारी दी। एसपी ने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी प्रेमचंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर कटोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत काजीसार गांव निवासी नवीन यादव के घर में छापेमारी हुई। जहां से पुलिस ने 1 लैपटॉप, 71 मोबाइल, 2 कार, 3 मोटरसाइकिल, 38 नए सिम,17 हजार नगद राशि सहित आदि सामाग्री मौके से बरामद किया गया।

मणिपुर की चिंता

मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को भड़की हिंसा और आगजनी के बाद कर्फ्यू लगाने, इंटरनेट सेवाएं रद्द करने और सेना बुलाने की राज्य सरकार की विवशता समझी जा सकती है। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है, पर उपद्रवियों को काबू में करने का यह आखिरी रास्ता है, जिस पर कोई भी सरकार मजबूरी में ही कदम बढ़ाती है। पिछले कई हफ्तों से पूर्वोत्तर का यह सूबा अशांत है और वहां बड़ी संख्या में मैतेई व कुकी समुदाय के लोगों को हिंसा की वजह से अपने ही प्रदेश में दरबदर होना पड़ा है। अनगिनत घरों, उपासना स्थलों के राख होने और करीब 70 लोगों की मृत्यु के ब्योरे हालात की गंभीरता बताने के लिए काफी हैं। विडंबना यह है कि इस सूरते-हाल में जिन लोगों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सामाजिक वैमनस्य व सामुदायिक खटास को मिटाने की कोशिश करेंगे, वही आग में घी डालने की कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार को भड़की हिंसा के लिए एक पूर्व विधायक और उनके कुछ समर्थकों की गिरफ्तारी इसकी तस्दीक करती है। आरोप है कि पूर्व विधायक और उनके समर्थकों ने हथियार के जोर पर समुदाय विशेष के लोगों को अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य किया, जिसके कारण इंफाल में हिंसा नए सिरे से भड़क उठी। यही नहीं, राज्य के कई सत्तारूढ़ विधायकों के सियासी सुर भी उकसाने वाले सुनाई पड़े हैं, जबकि उन्हें इस वक्त ऐसे किसी भी बयान या कदम से खास परहेज बरतना चाहिए, जो राज्य और केंद्र सरकार की शांति-स्थापना की कोशिशों को पलीता लगाते हों। इस वक्त शांति मणिपुर की पहली आवश्यकता है। इसके दो बड़े जातीय समुदायों के दिलों में एक-दूजे के लिए जो कटुता पैदा हुई है, उसे पाटने की हरमुमकिन कोशिश की जानी चाहिए। यह अफसोसनाक है कि जब केंद्र सरकार की राजनीतिक-आर्थिक सक्रियता से पूर्वोत्तर में स्थायी शांति की उम्मीदें जगने लगी थीं और लगने लगा था कि देश की मुख्यधारा से उसका जुड़ाव बढ़ रहा है, तब हिंसा के इस सिलसिले ने नई आशंकाओं और शक-शुब्हे को जन्म दे दिया है। मणिपुर की स्थिति पर इसलिए भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि पूर्वोत्तर के राज्यों का समूचा ताना-बाना एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और इन राज्यों में कई जातीय समूहों के बीच हितों के टकराव का एक लंबा इतिहास है। ऐसे में, यदि मणिपुर के हालात लंबे वक्त तक तनावपूर्ण बने रहे, तो इसकी आंच अन्य सूबों में पहुंच सकती है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को विश्वास बहाली के लिए स्थानीय नेताओं को भरोसे में लेना चाहिए। हमने उपद्रवग्रस्त पंजाब, जम्मू-कश्मीर में यह देखा है कि ऊपर से थोपी गई रणनीति के बजाय स्थानीय कोशिशें ज्यादा प्रभावी साबित हुई थीं। पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार ने पिछले नौ वर्षों में जितनी योजनाएं शुरू की हैं, उन्हें पूरा करने के लिए वहां शांति की दरकार है। फिर पूर्वोत्तर की सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे जिस सशस्त्र बल विशेष शक्तियां कानून को हटाने के मनसूबे बांध रही हैं, यह तभी मुमकिन होगा, जब वहां स्थायी शांति की कोई सूरत नजर आएगी।

संदिग्ध निष्कर्ष

पिछले बुधवार को, सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की जांच पूरी करने के लिए और वक्त दे दिया। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह की फर्मों में गड़बड़ी, स्टॉक की कीमतों में हेरफेर और न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी अनिवार्यताओं के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। अदालत की 2 मई की मूल समय-सीमा पूरी होने से पहले ही, सेबी ने जटिलताओं और ह्लसंदिग्धह्व मालूम पड़ रहे कई स्तरों वाले सौदों को उजागर करने की जरूरत का हवाला देते हुए कम से कम और छह महीने का वक्त मांगा था। शेयर बाजार की इस प्रहरी संस्था को अब तीन महीने की मोहलत मिली है। लेकिन अडानी समूह के शेयरों की कीमतों में अस्थिरता के मद्देनजर भारतीय प्रतिभूति बाजार के समग्र विनियामक और निवेशक संरक्षण ढांचे की समीक्षा करने के लिए अदालत द्वारा नियुक्त छह सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के निष्कर्ष, इस मामले के शीघ्र समापन को लेकर बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं जगाते हैं। इस समिति की समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अडानी समूह या अन्य कंपनियों के संबंध में प्रतिभूति बाजार के कानूनों के कथित उल्लंघन से निपटने में विनियामक संबंधी विफलता है और इस बारे में समिति के निष्कर्ष सुस्पष्ट नहीं हैं। मसलन, स्टॉक की कीमतों में हेरफेर के सवाल पर सेबी ने न्यायमूर्ति ए.एम. सप्रे की अगुवाई वाली समिति को बताया कि दिसंबर 2022 तक 57 महीनों की अवधि में स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा 849 स्वचालित अलर्ट जारी किए गए, जिसके परिणामस्वरूप चार रिपोर्टें आईं। सितंबर 2020 में इनमें से पहली रिपोर्ट ने अडानी समूह के फर्मों में शेयर रखने वाले कुछ उभयनिष्ठ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर सेबी का ध्यान आकर्षित किया। पहले की शिकायतों के बरक्स इसे रखते हुए, सेबी ने अक्टूबर 2020 में 25 फीसदी सार्वजनिक शेयरधारिता संबंधी मानदंडों के संभावित उल्लंघन की औपचारिक जांच शुरू की। सेबी ने समिति को अडानी एंटरप्राइजेज के ट्रेडिंग डेटा का हवाला दिया और कहा कि कोई हेरफेर नहीं पाया गया। लेकिन अन्य समूह के शेयरों के संबंध में इस किस्म के विश्लेषण अभी भी चल रहे हैं, जिससे समिति को यह निष्कर्ष निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा कि ...प्रथम दृष्टया, यह कहना संभव नहीं होगा कि नियामक विफलता रही है।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान के पथ पर अग्रणी भूमिका में मध्य प्रदेश

ANALYSIS

लोकेन्द्र सिंह

मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने-संवारने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस संदर्भ में राम वन गमन पथ के निर्माण का निर्णय करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो कहा, उसे समझना चाहिए- आज देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री का यह वक्तव्य संकेत करता है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इस दौर में मध्य प्रदेश चूकना नहीं चाहता है। स्वतंत्रता के समय से ही भारत को अपने सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को संवारने का जो काम शुरू कर देना चाहिए था, वह अब जाकर शुरू हो रहा है, तो फिर अब रुकना नहीं है। श्री सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के समय जो हिचक हमारे स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक नेतृत्व ने दिखायी, उस व्यर्थ की हिचक से वर्तमान नेतृत्व मुक्त है। हमारे वर्तमान नेतृत्व को न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव है अपितु वह उसके संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध भी दिखायी देता है।

पिछले आठ-दस वर्षों का सिंहावलोकन करने पर ध्यान आता है कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर है। इस अमृतकाल में भारत अपने स्व की ओर बढ़ रहा है। अयोध्या में भव्य एवं दिव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो रहा है। श्रीराम ने जिस संघर्ष और धैय के मार्ग को चुना था, उनके भक्तों ने भी मंदिर निर्माण के लिए उसी का अनुसरण किया। अब बेहिचक सरयू के तट पर दिव्य दीपावली मनायी जाती है। केदारधाम से लेकर काशी के विश्वनाथ मंदिर और अवंतिका (उज्जैन) में बाबा महाकाल का लोक साकार रूप ले रहा है। भारत जब करवट बदल रहा है, तब मध्य प्रदेश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की बेला में कहां पीछे छूट सकता है। मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने-संवारने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस संदर्भ में राम वन गमन पथ के निर्माण का निर्णय करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो कहा, उसे समझना चाहिए- आज देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री का यह वक्तव्य संकेत करता है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान के इस दौर में मध्य प्रदेश चूकना नहीं चाहता है। स्वतंत्रता के समय से ही भारत को अपने सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को संवारने का जो काम शुरू कर देना चाहिए था, वह अब जाकर शुरू हो रहा है, तो फिर अब रुकना नहीं है। श्री सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के समय जो हिचक हमारे स्वतंत्र भारत के प्रारंभिक नेतृत्व ने दिखायी, उस व्यर्थ की हिचक से वर्तमान नेतृत्व मुक्त है। हमारे वर्तमान नेतृत्व को न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव है अपितु वह उसके संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध भी दिखायी देता

है। मध्य प्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गति में तीव्रता 2016 के बाद दिखायी देती है, जब उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ के दौरान वैचारिक कुंभ की महान परंपरा को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया। वैचारिक महाकुंभ से निकले अमृत स्वरूपी 51 मार्गदर्शक बिंदुओं के प्रकाश में सरकार ने आगे बढ़ना शुरू किया। महाकाल लोक का निर्माण भी उन्हीं 51 बिंदुओं में से एक था। शिवराज सरकार ने महाकाल लोक को साकार करके भारत की प्राचीन संस्कृति, उसके दर्शन एवं शिक्षाओं को समाज तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है। महाकाल लोक के दर्शन के लिए लगातार बहुत बड़ी संख्या में देश-प्रदेश से लोग पहुंच रहे हैं। ये सब दर्शनार्थी/पर्यटक अपने साथ यहां से क्या लेकर जाते होंगे? निःसंदेह, भारत की ज्ञान-परंपरा और जीवनमूल्यों को सीखकर ही जाते होंगे। सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए प्रतिबद्ध सरकार ने महाकाल लोक को मिल रहे जन-प्रसाद से उत्साहित होकर, सांस्कृतिक पुनरुत्थान की अगली कड़ी में ओरछा में श्रीराम राजा कॉरिडोर एवं वनवासी राम लोक, जाम सावली में हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माई पीतांबरा का धाम और श्रीराम वन गमन पथ का निर्माण होना है। वहीं, ओंकारेश्वर में जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य की स्मृति में एकात्म धाम का विकास लगभग पूर्णता की ओर है। एकात्म धाम के विशाल परिसर में सात केंद्र बनेंगे, जो भारत के वास्तु और स्थापत्य कलाओं पर आधारित होंगे। यहां आचार्य शंकर की जीवन यात्रा पर केंद्रित संग्रहालय तो बनेगा ही, यह स्थान अद्वैत का शोध-संस्थान भी बनेगा। याद रखें कि ओंकारेश्वर आचार्य शंकर की ज्ञान स्थली है। यह वही स्थान है, जहां से अद्वैत दर्शन की शिक्षा प्राप्त करके उनके जीवन की महायात्रा आरंभ हुई थी। मूल रूप से उसी अद्वैत दर्शन के लोकव्यापीकरण की दिशा में एकात्मधाम को विकसित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार श्रीराम वनगमन पथ के निर्माण की दिशा में भी निर्णायक कदम बढ़ा चुकी है। वनवास के कालखंड में प्रभु श्रीराम जहां से गुजरे थे, उस मार्ग को विकसित करने की मांग हिन्दू समाज की ओर से काफी समय से की जा रही है। विभिन्न सरकारों ने भी कई बार राम वन गमन पथ के निर्माण की घोषणा की है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल कभी नहीं हुई। पहली बार मध्य प्रदेश सरकार ने ठोस पहल करते हुए श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास का गठन करने का निर्णय लिया है। राम पथ गमन के निर्माण को लेकर जिस प्रकार का संकल्प मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यक्त किया है, उसे देखकर विश्वास है कि जल्द ही यह स्वप्न भी साकार होगा। उल्लेखनीय है कि अपने 14 वर्षीय वनवास के दौरान भगवान श्रीराम की उपस्थिति सबसे अधिक समय तक मध्य प्रदेश में रही। एक प्रकार से राम की कृपा प्राप्त करने में मध्य प्रदेश सौभाग्यशाली रहा है। यहां राम ने 11 साल 11 महीने और 11 दिन का समय गुजारा। प्रदेश में सतना जिले के चित्रकूट से राम की वन की यात्रा शुरू होती है। कामतानाथ मंदिर चित्रकूट से राम स्फटिक शिला और गुप्त गोदावरी के बाद सती अनुसुइया आश्रम पहुंचे। इसके बाद सलेहा मंदिर पन्ना, मैहर से होते हुए कटनी जिले के बड़वारा से होते हुए राम जबलपुर के शाहपुरा पहुंचे। जबलपुर के ग्वारी घाट से भी राम गुजरे हैं। यहां से सतना जिले के राम मंदिर तालाधाम से शहडोल के सीतामढ़ी और फिर अमरकंटक पहुंचे। चूंकि सबसे अधिक समय राम ने मध्य प्रदेश में गुजारा इसलिए राम पथ का निर्माण मध्य प्रदेश की जिम्मेदारी भी है। यह सुखद है कि मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार आनंद के साथ अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आगे आई है। यह जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है, यह देश-प्रदेश की सर्वांगीण उन्नति का आधार भी बनेगा। भारत की एकता एवं अखंडता का सूत्र भी हमारी संस्कृति है। प्राचीन इतिहास के पृष्ठ भी जब हम उलटकर देखते हैं, तब हमें ध्यान आता है कि आचार्य चाणक्य से लेकर आचार्य शंकर तक ने भारत को शक्ति सम्पन्न एवं एकजुट करने के लिए संस्कृति का ही आधार लिया। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने भी अपने समय में देश को जोड़ने और एकात्म स्थापित करने के लिए सांस्कृतिक पक्ष पर ही काम किया। ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध देशभर में चल रहे आंदोलनों का प्राण भी संस्कृति थी। भारत भूमि के साथ उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक जो हमारा नाता है, उसका भी आधार संस्कृति है। दुनिया में भारत की संस्कृति ने ही सबसे पहले कहा था कि सबके मूल में एक ही तत्व है। जड़-चेतन में एक ही ब्रह्म है। इसलिए ही भारत में बाहरी तौर पर तो विविधता दिखाई देती है, किंतु अंदर से सब एक-दूसरे से जुड़े हैं। क्योंकि, सब मानते हैं कि सबमें एक ही तत्व है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने विश्व में जो सम्मान प्राप्त किया है, वह आर्थिक प्रगति से कहीं अधिक अपनी सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के नाते किया है।

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

अमेरिका के साथ रिश्तों में और मजबूती कैसे आए

अमेरिका और भारत में आज जो राजनीतिक माहौल है, वह पिछले एक दशक में हुए बदलावों का नतीजा है। 9/11 आतंकवादी हमलों के बाद इस्लामिक आतंकवाद से मुकाबले के लिए दोनों करीब आए और आज चीन के रूप में अहम चुनौती का सामना करने के लिए दोनों साथ हैं। इस संघर्ष में सीमा विवाद से लेकर तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई तक शामिल है। जिन हालात में दोनों देशों के रिश्तों में बदलाव आया है, वह भी महत्वपूर्ण है। लेकिन यह भी मानना होगा कि दोनों देशों के संबंधों में हुई प्रगति के बावजूद नौकरशाही की पुरानी सोच और बाधाएं बनी हुई हैं। चीन पर दांवः सोवियत संघ के विघटन के बाद भी भारत और अमेरिका एक-दूसरे से दूर-दूर रहे। इकलौती सुपर पावर के रूप में अमेरिका ने 1990 के दशक में चीन पर दांव लगाया। जो आर्थिक रूप से एकीकृत था, लेकिन जहां लोकतंत्र नहीं था। जहां कम्युनिस्ट

पार्टी की तानाशाही चलती थी। उस दौर में चीन ने पाकिस्तान जैसे सहयोगी देशों को आतंकवाद रोकने के लिए मजबूर नहीं किया, जो भारत में अशांति फैलाने के लिए इनका इस्तेमाल कर रहा था। चीन ने उन देशों के साथ भी रिश्ते मजबूत किए, जिन्हें अमेरिका दुष्ट देश कहता है। उसने नॉर्थ कोरिया और पाकिस्तान को परमाणु हथियार बनाने में मदद दी। दूसरी ओर, शीत युद्ध के बाद 1998 में भारत के पोखरण-2 परमाणु परीक्षण और 2001 में अमेरिका में हुए 9/11 के हमलों ने दोनों पक्षों को नजदीक ला दिया। ब्यूरोक्रेसी की बाधाः 2000 के दशक में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक संबंधों को लेकर असल पहल हुई। 2008 का यूएस-इंडिया असैन्य परमाणु समझौता उस प्रयास की बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इससे नौकरशाह अपना रवैया बदलने को मजबूर हुए, लेकिन उनकी ओर से चुनौतियां खत्म नहीं हुईं। ब्यूरोक्रेसी ने सिविल न्यूक्लियर लायबिलिटी लॉ और दूसरे तकनीकी मुद्दे उठाकर बाधाएं खड़ी कीं। इसीलिए न्यूक्लियर और तकनीक के क्षेत्रों में दोनों के बीच सहयोग नहीं बढ़ पाया।

नया युगः नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार भारत ने अमेरिका के साथ मजबूत रिश्तों को राजनीतिक रूप से अपनाया। इस दौर में दोनों देशों के संबंधों में संतुलन आया। अमेरिका को इसका अहसास हो गया था कि चीन उसके बरक्स खड़ा हो रहा है। अब वह 1990 और 2000 के दशक की अकेली सुपर पावर नहीं रह गया है। अमेरिका ने चीन को लेकर एक गलतफहमी पाल रखी थी कि आर्थिक समृद्धि उसे लोकतंत्र की राह पर ले जाएगी।

इससे भारत जैसे साझेदारों को लेकर उसका रवैया सही हुआ। आज अमेरिका को पता है कि उसे भारत से क्या उम्मीद करनी चाहिए। अमेरिका यह भी जानता है कि भू-राजनीति को लेकर नए अलायंस के लिए उसे सहयोगी देशों के हितों का भी खयाल रखना होगा। जैसे, भारत की हथियारों को लेकर रूस पर निर्भरता। भारत और अमेरिका समझ रहे हैं कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग कितना जरूरी है क्योंकि इसका असर हिंद-प्रशांत की भू-राजनीति पर पड़ने वाला है, जहां चीन बेहद आक्रामक है। 2016 के राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम के जरिए अमेरिका ने भारत को प्रमुख रक्षा भागीदार बनाया। लेकिन अमेरिकी विदेश विभाग के आर्म्स एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट में भारत को ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसी बराबरी नहीं दी गई। इसके चलते जीई फाइटर जेट इंजन जैसी चीजों की तकनीक के ट्रांसफर प्रॉसेस में देर होती है। वहीं, भारत को अपनी ओर से अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा के लिए आश्वासनों पर काम करना होगा। अमेरिका और चीन जैसी दो तकनीकी ताकतों में बंटने वाली दुनिया में भारत, अमेरिका के साथ जाएगा। यानी 5जी, 6जी और अक में जल्द से जल्द अमेरिका के साथ तालमेल जरूरी है। पीएम मोदी अगले महीने अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं। ऐसे में सामरिक लिहाज से अमेरिका के और करीब जाने के लिए भारत अपनी ओर से क्या पेशकश कर सकता है, उसे यह देखना चाहिए। इसके साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ अमेरिका को और मजबूती से जोड़ने की कोशिश होनी चाहिए। आखिर, अमेरिका के आर्थिक सहयोग की वजह से ही पिछले दो दशकों में चीन बड़ी आर्थिक ताकत बन पाया।

Social Media Corner

सच के हक में...

झारखण्ड राज्य में SUPERIOR JUDICIAL SERVICES में आदिवासी समुदाय की नगण्य उपस्थिति चिंता का विषय है। इस सेवा की नियुक्ति प्रक्रिया में आरक्षण का प्रावधान नहीं रखा गया है। इस सेवा से उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किए जाते हैं। इसलिए उच्च न्यायालय में भी वही स्थिति है। अतः आदिवासी बाहुल्य राज्य के लिए वरीय न्यायिक सेवा की नियुक्ति प्रक्रिया में आरक्षण का प्रावधान करने का मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगा।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन होना है, लेकिन विपक्ष ने इसे राष्ट्रपति जी का अपमान बताकर कार्यक्रम का बहिष्कार किया है। सवाल यह है कि अगस्त 1975 में जब इंदिरा गांधी जी ने संसद एनेक्सी का उद्घाटन किया, 1987 में संसदीय ज्ञानपीठ का शिलान्यास राजीव गांधी जी ने किया और 2016 में नीतीश कुमार जी ने विधानमंडल के नए भवन का उद्घाटन किया तब क्या राष्ट्रपति जी या राज्यपाल जी का अपमान नहीं हुआ? देश पर आपातकाल थोपने वाले लोग आज संविधान के रक्षक बनने का ढोंग कर रहे हैं, आश्चर्य होता है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

एनआईए के 'ऑपरेशन ध्वस्त' के निहितार्थ

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंक, तस्कर और गैंगस्टर के अंतरराष्ट्रीय गठजोड़ को हतोत्साहित और नेस्तनाबूद करने के लिये 17 मई को नए सिरे से ऑपरेशन ध्वस्त को अंजाम दिया है। इसके लिए एनआईए और संबंधित राज्यों की पुलिस की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। इस बात में कोई दोराय नहीं कि ऐसे शातिर लोगों को राजनीतिक, प्रशासनिक और कारोबारी शह व संरक्षण भी हासिल होता है। इसलिए राष्ट्रहित में ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई का होना काबिल-ए-तारीफ है। इसके लिए अधिकारीगण लोक प्रशंसा के पात्र हैं। आखिर यह कौन नहीं जानता कि देश में गैंगस्टर का नेतृत्व कर रहे कई अपराधी पाकिस्तान, कनाडा, मलेशिया और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से अपनी अवैध गतिविधियों को संचालित कर रहे है। वहां से यह लोग भारत के जेलों में बंद अपराधियों के साथ मिलकर गंभीर अपराधों की साजिश रचने में लगे हुए हैं। इसका मकसद भारत में सफलतापूर्वक कार्य कर रही केंद्र की मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को अस्थिर किया जा सके। कर्नाटक, दिल्ली, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, केरल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि जगहों से नक्सलियों, आतंकियों, गैंगस्टर्स के नेटवर्क की बातें समय समय पर सामने आती रही हैं। इसलिए स्थिति की गम्भीरता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि ऐसी खतरनाक साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों से ही रची जा रही हैं। यह जेल प्रशासन की लापरवाही या फिर राज्य प्रशासन की रणनीतिक कोताही की ओर इशारा करने के लिए काफी है। ऐसा इसलिए कि लगभग दो दशकों तक केंद्र में अल्पमत या गठबंधन की सरकार होने और राज्यों में क्षेत्रीय दलों की सरकार रहने से अपराधी और षड्यंत्रकारी बेकाबू हो चुके थे और सूबाई जेलों को उन्होंने अपना सुरक्षित अड्डा बना लिया था। अब भी अधिकांश छोटे-बड़े राज्यों में जहां भाजपा विरोधी सरकारें हैं वहां ऐसे तत्व ज्यादा सक्रिय हैं। अंडरवर्ल्ड में अपनी जड़े गहरी कर चुका गैंगस्टर लारेंस विश्नोई अपने चतुर गुर्गों के सहारे नाक पर दम किए है। उससे कई राज्यों की पुलिस की नींद उड़ी हुई है। वह अब इंटरपोल की खुफिया टीम की नजरों पर भी चढ़ चुका है। एनआईए की जांच में भी इस रहस्य से पर्दा उठ चुका है कि ऐसी साजिशें विभिन्न राज्यों की जेलों में रची जा रही थीं। हाल ही में गोइंदवाल और तिहाड़ जेल में हुई हत्या इसी साजिश का हिस्सा है। बहरहाल, एनआईए ने विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ तालमेल बिठाते हुए सात राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेश के 324 स्थानों पर छापा मारकर कई संदिग्धों को दबोचा है। उत्तर प्रदेश जैसे सुधरे हुए राज्य में तकरीबन 120 स्थानों पर की गई छापेमारी से स्थिति की गम्भीरता को समझा जा सकता है। दरअसल, मोहाली में हुए विस्फोट के तार लखनऊ, अयोध्या और सुलतानपुर जैसे जनपदों से जुड़े हुए हैं। इसके दृष्टिगत यहां छापा पड़ा। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ में ऑपरेशन ध्वस्त के तहत छापे मारे गए। इस दौरान एनआईए ने 129, पंजाब पुलिस ने 17 जिलों में 143 और हरियाणा पुलिस ने 10 जिलों में 52 स्थानों पर छापा मारा। दिल्ली-एनसीआर में 32 जगहों पर, राजस्थान में भी 52 जगहों पर ताबड़तोड़ पड़े छापों ने इनकी कमर तोड़ दी है। इस छापेमारी में 60 मोबाइल फोन, पांच डीवीआर, 20 सिम कार्ड, हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड, डोंगल, वाई फाई राउटर, डिजिटल घड़ी, 75 दस्तावेज के अलावा पिस्टल, मिश्रित गोला-बारूद, जिंदा और इस्तेमाल किए गए कारतूस और 39.6 लाख रुपये नकद बरामद हुए है। खास बात यह कि धमाके के मुख्य आरोपित दीपक रंगा को पनाह देने के आरोप में एनआईए ने अयोध्या के देवगढ़ निवासी विकास सिंह के लखनऊ व अयोध्या स्थित ठिकानों पर छापा मारा।

I WANT TO SAY...

आज के युग में विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन टेक्नोलाजी की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। चिकित्सा के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता काफी अधिक है। हाल ही में ड्रोन के माध्यम से दूरस्थ स्थानों पर रक्त पहुंचाने का सफल ट्रायल किया जा चुका है। जरा सोचिए, बिना किसी आधारभूत संरचना और खचीर्ली व्यवस्था के यदि त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके तो इससे बेहतर क्या हो सकता है। कई बार समय पर रक्त या दवा आदि नहीं मिलने के कारण मरीज या घायल की मौत हो जाती है। यदि सटीक व्यवस्था बनाई जाए तो ड्रोन के माध्यम से तत्काल इस तरह की सुविधाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है। यह अच्छी बात है कि अपने देश में ड्रोन तकनीक के महत्व को समय रहते समझा गया है। आधुनिक ड्रोन तकनीक पर शोध और निर्माण का काम चल रहा है। वहीं तकनीकी संस्थानों में भी ड्रोन आधारित पाठ्यक्रमों में छात्र-छात्राओं का रुझान बढ़ रहा है। ड्रोन की मदद से विभिन्न क्षेत्रों की टोपोग्राफिकल मैपिंग की जा सकती है। ड्रोन अर्बन प्लैनिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ मेडिकल क्षेत्र में इमरजेंसी सेवाएं देने में अपनी बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। ड्रोन पाठ्यक्रम के विद्यार्थी इस क्षेत्र में अपने करियर को उड़ान दे सकते हैं। ऐसे विद्यार्थियों के लिए जियोलाजिकल एक्सप्लोरेशन सेक्टर, सर्वे डिपार्टमेंट साथ-साथ फारेस्ट सेक्टर, अर्बन प्लैनिंग, टाउन प्लानर के क्षेत्र में भी करियर बनाने का अवसर मिल सकता है। कहा जा सकता है कि हम ड्रोन युग की ओर बढ़ सकते हैं। अपना देश इस क्षेत्र में लीडिंग भूमिका निभा सकता है।

दयानंद मिश्रा, अध्यक्ष क्षेत्रीय जनविकास परिषद।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

10वीं बार आईपीएल के फाइनल में जगह बनाने वाली टीम बनी चेन्नई सुपर किंग्स

चेन्नई (एजेंसी)। की टीम 10वीं बार इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में पहुंच गई है। चेन्नई सुपर किंग्स अब तक कुल चार बार खिताब पर कब्जा जमा चुकी है और अब पांचवी बार अपनी दावेदारी खिताब पर ठोकेगी। टीम ने 23 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए पहले क्वालीफायर मुकाबले में जीत हासिल हुई है, जिसके बाद वो पहली फाइनलिस्ट टीम बन गई है।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का ये 14वां सीजन है। वहीं कुल 10वीं बार आईपीएल के फाइनल मुकाबले में जगह बनाने वाली टीम बन गई है। बता दें कि सबसे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने वर्ष 2008 में फाइनल मुकाबले में जगह बनाई थी। हालांकि ये सीजन राजस्थान रॉयल्स ने जीता था। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने वर्ष

2010 में फाइनल में जगह बनाई और मुंबई इंडियंस को मात देकर अपना पहला खिताब जीता था। वर्ष 2011 में चेन्नई ने फाइनल मुकाबला जीतकर आरसीबी से खिताब छीना था। वर्ष 2012, 2013, 2015, 2018, 2019, 2021 और अब 2023 में भी फाइनल में जगह बनाई है। बता दें कि इस दौरान चेन्नई ने वर्ष 2018 में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर तीसरी बार खिताब पर कब्जा किया था। इसके बाद चेन्नई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को मात देकर वर्ष 2021 में अपना चौथा टाइटल हासिल किया था। अब ये पांचवी बार चेन्नई सुपर किंग्स अपनी दावेदारी पेश करेगी। बता दें कि इस बार आईपीएल का फाइनल मुकाबला 28 मई को खेला जाएगा, जिसकी पहली फाइनलिस्ट टीम चेन्नई बन गई है, जिसका इस वर्ष 12वां सीजन है। अब तक चेन्नई नौ बार फाइनल मुकाबले खेल चुकी है। टीम को सबसे अधिक फाइनल मुकाबले खेलने का मौका मिला है। इस दौरान टीम पांच मुकाबले गंवा चुकी है और चार बार जीत हासिल कर चुकी है।

टेनिस प्रीमियर लीग: लिएंडर पेस ने बंगाल टीम में हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई। (एजेंसी)। लिएंडर पेस ने टेनिस प्रीमियर लीग के पांचवें सत्र से पहले बंगाल टीम में हिस्सेदारी खरीदी है। यह लीग पुणे में खेली जायेगी जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी। पेस ने वार्डविजार्ड समूह के साथ मिलकर टीपीएल में आठवीं टीम खरीदी है। बाकी टीमें मुंबई लियोन आर्मी, पंजाब टाइगर्स, पुणे जागुआर्स, बेंगलुरू स्पार्टस , दिल्ली बिन्नीस ब्रिगेड , हैदराबाद स्ट्राइकर्स और गुजरात पैंथर्स है। टूर्नामेंट इस साल दिसंबर में होगा और सभी मैच पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम पर खेले जायेंगे।

पेस ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' कोलकाता में साउथ क्लब देश के सबसे उम्दा टेनिस वेन्यू में से एक है जहां भारत में सबसे ज्यादा डेविस कप मैच हुए हैं। जयदीप मुखर्जी और जीशान अली जैसे बेहतरीन खिलाड़ी वहां से निकले हैं। टीपीएल के पांचवें सत्र में बंगाल की टीम होने से यह और रोमांचक हो जायेगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण का होगा विधिवत शुभारंभ आज

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश अपने अब तक के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी करने को तैयार है। गुरुवार को लखनऊ की बीबीडी यूनिवर्सिटी में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 (केआईयूजी) का विधिवत शुभारंभ होगा। पीएम मोदी वर्चुअली केआईयूजी का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे, जबकि लखनऊ में सीएम योगी इस ऐतिहासिक अवसर पर खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। 10 दिन तक चलने वाले इस आयोजन में 4000 से अधिक एथलीट 21 खेलों में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों को प्रतिनिधित्व करेंगे। तीन जून को इसका समापन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) वाराणसी में होगा। युवा खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर यह प्रदेश का सबसे बड़ा आयोजन साबित होने वाला है। इस वजह से इसे खेलों का महाकुंभ कहा जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय खेल राज्यमंत्री निसिथ प्रमाणिक समेत प्रदेश के तमाम मंत्री और अधिकारी मौजूद रहेंगे। शुभारंभ समारोह में मशहूर गायक कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति भी देंगे। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2022 उत्तर प्रदेश के चार शहरों (लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और गौतमबुद्धनगर) में आयोजित किया जाएगा। राजधानी लखनऊ के अलावा, शूटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन नई दिल्ली में भी किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार लखनऊ आठ स्थानों पर 12 खेलों (तीरंदाजी, जूडो, मल्लखंब, वॉलीबॉल, तलवारबाजी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, रग्बी, एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल की मेजबानी करेगा। गौतमबुद्धनगर (नोएडा) तीन स्थानों में पांच खेलों (बास्केटबॉल, कबड्डी, मुक्केबाजी, तैराकी और भारोत्तोलन) की मेजबानी करेगा। वाराणसी आईआईटी-बीएचयू, 02 खेलों (कुश्ती और योगासन) की मेजबानी करेगा, जबकि, गोरखपुर और दिल्ली क्रमशः रोइंग और शूटिंग इवेंट का आयोजन करेंगे।

डुप्लेसी की जगह अब शुभमन के पास ऑरेंज कैप हासिल करने का अवसर

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में अब ऑरेंज कैप की रेस में बदलाव होना तय है। अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी सबसे ज्यादा 730 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं पर उनकी टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद इस दौड़ में दो अन्य खिलाड़ी शामिल हो गये हैं। अब इन खिलाड़ियों के पास सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप हासिल करने का सुनहरा अवसर है। इसमें से एक हैं गुजरात के बल्लेबाज शुभमन गिल। शुभमन ने अब तक 15 मैचों में 722 रन हैं और ऐसे में उनके पास अब अगले मैच में डुप्लेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। शुभमन गिल 7 रन बनाते ही ऑरेंज कैप अपने नाम कर लेंगे।

वहीं इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले मे रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली 14 मैचों में 639 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आईपीएल 2023 के फाइनल में पहुंची चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के 15 मैचों में 625 रन हैं ओर वह विराट कोहली से 14 रन ही पीछे हैं। फाइनल

मुकाबले में कॉनवे 15 रन बनाते ही कोहली से आगे निकल जाएंगे और ऐसे में वह इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले मे तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे।

हालांकि कॉनवे के पास भी सबसे ज्यादा रन बनाकर पहले स्थान पर आने का अवसर है पर इसके लिए उन्हें शतक लगाना होगा जो आसान नहीं है। वह अभी पहले स्थान पर मौजूद फाफ डुप्लेसी से 105 रन पीछे हैं, लेकिन अभी दूसरे नंबर पर मौजूद शुभमन गिल के पास भी कम से कम एक मैच बचा है। ऐसे में कॉनवे ऑरेंज कैप हासिल कर पाएंगे, यह असंभव सा नजर आता है।

बहरीन पैरा बैडमिंटन में भारत के भगत को दो स्वर्ण सहित तीन पदक मिले

नई दिल्ली । भारत के पैरालम्पिक खिलाड़ी प्रमोद भगत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बहरीन पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता है। भगत ने इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल और युगल में एसएल 3 और एसएल 3 और एसएल 4 में खिताब जीते हैं। प्रमोद ने अपने ही हमवतन नितेश कुमार को 21-16, 21-17 से हराकर एकल वर्ग में स्वर्ण जीता। इसके बाद युगल में सुकांत कदम के साथ मिलकर नितेश कुमार और तरूण की जोड़ी को 22-24,

21-, 21-14 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भगत ने इसके बाद मनीषा रामदास के साथ मिलकर मिश्रित युगल में भी एक कांस्य पदक जीता। एक अन्य मुकाबले में भारत की ही तुलसीमति मुरूगेसन ने महिला एकल एसयू 5 में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा कृष्णा नागर ने पुरूष एकल एसएच 6 में रजत पदक जीता। सुहास यथिराज ने एसएल 4 में रजत अपने नाम किया। पुरूष युगल में चिराग बरेथा और राजकुमार को भी रजत पदक मिला जबकि महिला युगल में मानसी जोशी और तुलसीमति को रजत पदक मिला।

मुम्बई से फाइनल नहीं चाहते ब्रेवो

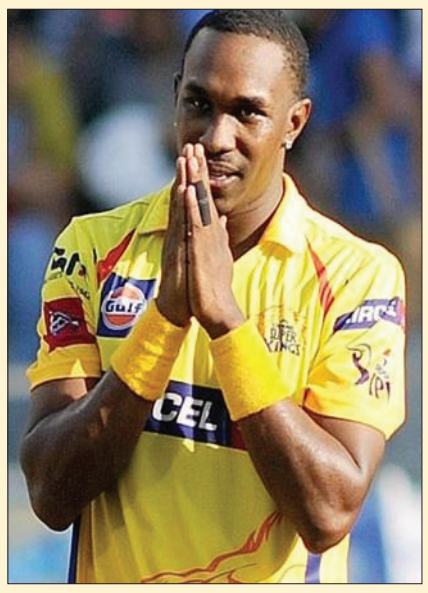

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आईपीएल फाइनल में पहुंचने पर गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो ने खुशी जतायी है पर साथ ही कहा कि फाइनल में वह मुम्बई इंडियंस से मुकाबला नहीं चाहते हैं। सीएसके के मैच जीतने के बाद ब्रावो ने कहा है कि वह मुंबई इंडियंस को फाइनल में पहुंचते नहीं देखना चाहते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीएसके की जीत के बाद ब्रावो ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया। ब्रावो जीत मिलते ही मैदान पर भागे और अपने गेंदबाजों को सबसे पहले गले से लगाया। इतना ही नहीं ब्रावो ने होटल की लिफ्ट में भी जमकर डांस किया। उनके चेहरे को देख साफ दिखाई दे रहा था कि उन्हें इस जीत के बाद काफी खुशी मिली है। मैच के बाद ड्वेन ने कहा, सच कहूं तो मैं दिल से नहीं चाहता कि मुंबई फाइनल में पहुंचे। मेरे दोस्त पोलार्ड को इस बारे में पता है। मजाक को हटाकर मैं सभी टीमों को बेस्ट ऑफ लक कहता हूं। हमारी नजरें रहेगी कि कौन फाइनल में पहुंचेगी। मुंबई और सीएसके के बीच आईपीएल इतिहास में कुल 4 बार फाइनल में मुकाबला हुआ है, जिसमें कुल 3 बार मुंबई इंडियंस को जीत मिली है। वहीं सीएसके ने केवल 2010 में ही मुंबई के खिलाफ जीत हासिल की थी। इसके अलावा कुल 36 बार दोनों टीमों के बीच मुकाबले हुए हैं जिसमें से 20 बार मुंबई जीती है। शायद इसी आंकड़े को ध्यान में रखते हुए ब्रावो उसके साथ फाइनल नहीं चाहते होंगे।

पहलवानों के समर्थन में आम लोगों ने इंडिया गेट तक मार्च किया

-28 मई को नये संसद भवन के बाहर महापंचायत का फैसला

सालालाह (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को अब आम लोगों का समर्थन मिलने लगा है। पहलवानों के समर्थन में उतरे हजारों लोगों ने जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक एक मार्च निकाला। इस दौरान ये लोग बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

इस मार्च में ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित कई और प्रदर्शनकारी पहलवान शामिल थे। पहलवानों ने बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पहलवानों और उनके समर्थकों ने अत्यधिक गर्मी और देर शाम धूल भरी आंधी का सामना करते हुए बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण ढंग से इंडिया गेट तक मार्च निकाला।

इस दौरान लोगों के हाथों में तिरंगे थे और मार्च में शामिल लोगों ने बृजभूषण के लिए सख्त सजा की मांग

की। विनेश, बजरंग और साक्षी ने इंडिया गेट के पास पुलिस के एक बैरिकेड पर चढ़ कर लोगों को संबोधित किया। विनेश ने इस दौरान कहा, '' पिछले एक महीने से हम बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कर रहे हैं पर यह शर्म की बात है कि अब तक कुछ भी नहीं हुआ है। आज, हमने इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकाला और हमें पता चला है कि देश के कई हिस्सों में और भी ऐसे ही मार्च निकाले गये हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा।''

साथ ही कहा कि कि 28 मई को नये संसद भवन के बाहर निर्धारित महापंचायत का नेतृत्व महिलाओं और युवाओं के द्वारा किया जायेगा और प्रदर्शन को लेकर आगे की कार्रवाई के बारे में कोई भी बड़ा फैसला वही लेंगे।

टेनिस इन्फ्लूएंसर राचेल ने पेश किया पेरिस कलेक्शन

पेरिस । अपनी खूबसूरती से छायी टेनिस इन्फ्लूएंसर राचेल स्टुहल्मन ने पेरिस कलेक्शन में हॉट पोज दिया है। इसमें राचेल लाल लो-कट टॉप और स्कर्ट में नजर आयी हैं। राचेल ने अपने क्ले कोर्ट क्लोथिंग लाइन की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर भेजी है। इसमें वह एक टेनिस रैकेट और मिट्टी लगी गेंद को पकड़े हुए दिख रही हैं। राचेल ने इसके साथ लिखा। आंखिरकार मेरा पेरिस कलेक्शन आ ही गया। मैं वास्तव में इस सत्र में रैड क्ले कोर्ट में अपने नए स्पोर्ट टॉवल, पोस्टर और क्ले कोर्ट सीजन परिधान लाइन को साझा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं स्वेटर, लंबी आस्तीन, 2 टी-शर्ट और टोपी के मिट्टी के स्वर से ग्रस्त हूं। मैं टेनिस कैलेंडर के सबसे बड़े पलों में से एक को मनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। राचेल की इस पोस्ट को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। प्रशंसकों ने इसपर जमकर कमेंट भी किए। एक ने लिखा, मेरी राय में यह ग्रह पर सबसे आकर्षक इंसान की तस्वीर है। दिमाग और सुंदरता का एक खूबसूरत संयोजन। एक ने लिखा, आपको अपकी पोशाकें असाधारण बना देती हैं। राचेल पेशेवर टेनिस खिलाड़ी बनना चाहती थी पर अब वह सोशल मीडिया से होने वाली कमाई पर ही निर्भर है। उसके इंस्टाग्राम पर भी 300,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों साथ-साथ अपने प्रशंसकों के लिए गोल्फ टिप्स भी पोस्ट करती रहती हैं।

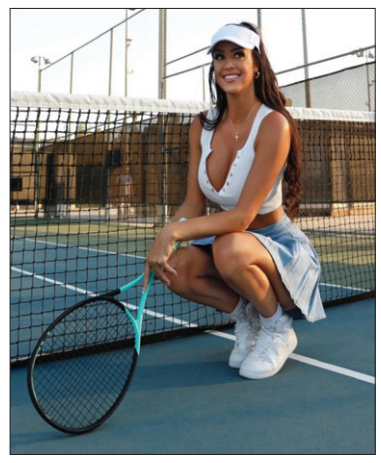

डब्ल्यूटीसी और एशेज सीरीज से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलना गलत: बोर्डर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलेन बोर्डर भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और एशेज सीरीज से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने के फैसले से सहमत नहीं हैं। बोर्डर ने इसे एक जोखिम भरा फैसला करार दिया।डब्ल्यूटीसी का फाइनल सात से 11 जून तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया 16 जून से 31 जुलाई तक पांच मैचों की एशेज सीरीज में इंग्लैंड से खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम बेकेनहैम में कड़े प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेकर छह टेस्ट की तैयारी करेगी जिसमें मुख्य विकेट पर अभ्यास और नेट सत्र शामिल है।

बोर्डर ने कहा, ''मुझे इससे मतलब नहीं है कि आप नेट्स में कितनी कड़ी मेहनत करते हैं, मेरा मानना है कि मुकाबले खेलने की जगह कोई अन्य चीज ले ही नहीं सकती है। उन्होंने कहा, ''एशेज श्रृंखला से पहले किसी भी तरह का क्रिकेट नहीं खेलना मुझे सही नहीं लगता। मुझे लगता है कि यह खतरे से भरा है कदम है। मुझे यह गलत फैसला भी लग रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम भी बिना किसी अभ्यास मैच के उतरेगी क्योंकि इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप चल रही है। साथ ही डब्ल्यूटीसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिता है और ऐसे में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) मेहमान टीमों के लिए अभ्यास मुकाबलों की व्यवस्था करने के लिए बाध्य नहीं है। हालांकि एशेज के इतिहास में यह पहली बार होगा

कि ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम श्रृंखला से पहले या इसके दौरान किसी स्थानीय काउंटी टीम का सामना नहीं करेगी।

बोपन्ना की सात साल के बाद शीर्ष 10 में वापसी हुई

नई दिल्ली । देश के शीर्ष पुरुष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को सात साल के बाद एक बार फिर शीर्ष दस खिलाड़ियों में जगह मिली है। बोपन्ना दो स्थान के लाभ के साथ ही इस सप्ताह की ताजा एटीपी टेनिस रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं। वह जून 2016 के बाद से ही पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचे है। बोपन्ना को पिछले साल घुटने की चोट के कारण डेविस कप और कुछ अन्य स्पर्धाओं से भी हटना पड़ा था। उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तीन है जो उन्हें साल 2016 में मिली थी। उन्होंने इस बार सत्र की शुरुआत 19वें स्थान से की थी। इस सत्र में उन्होंने अब तक 13 टूर्नामेंट में भाग लिया है। वह इस साल फरवरी में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी भी बने। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अपने जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन के साथ मार्च में इंडियन वेल्स मास्टर्स का खिताब भी जीता था। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने फरवरी में कतर ओपन भी जीता था और मई में मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। वहीं एकल रैंकिंग में सुमित नागल 256 वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। वहीं महिला एकल वर्ग में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना 212 वें स्थान के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी है।

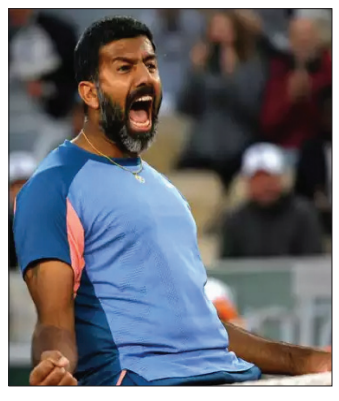

धोनी में ही सीएसके को फाइनल में ले जाने की क्षमता : सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द सिंह धोनी में ही टीम को फाइनल तक ले जाने की क्षमता थी। चेन्नई ने पहले क्वालीफायर में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स को कड़े संघर्ष के बाद 15 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है।

सहवाग ने कहा, धोनी ही सीएसके को आईपीएल 2023 के फाइनल में ले जा सकते थे, इसके साथ उन्होंने कहा कि सीएसके टीम काफी शानदार है। सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, सीएसके क्या शानदार टीम है। नेतृत्व अपने संसाधनों से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने के बारे में है और सीएसके अपने इस गेंदबाजी लाइन अप के साथ केवल धोनी की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच सकती थी। अनुमान है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल है। वहीं धोनी के अनुसार वह इस बारे में फैसला आने वाले समय में करेंगे। धोनी ने मैच के बाद कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो इसका काफी असर पड़ता है। मैं पिछले चार महीने घर से बाहर हूं। मैं जनवरी से घर से बाहर हूं और मार्च से अभ्यास कर रहा हूं, इसलिए आगे क्या होता है इस पर बाद में विचार करूंगा। मैं 31 जनवरी को घर से बाहर निकला था। मैंने काम पूरा करने के बाद दो या तीन मार्च से अभ्यास शुरू कर दिया था। इसका काफी असर पड़ता है लेकिन मेरे पास फैसला करने के लिए पर्याप्त समय है।

जब तक जिन्दा रहूंगा नए-नए जुगाड़ करता रहूंगा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने जोगीरा सारा रा रा के प्रमोशन के लिए बातचीत के दौरान काफी कुछ कहा। उन्होंने कहा- जब तक मैं जिन्दा रहूंगा तब तक अपने अभिनय के साथ नए-नए जुगाड़ करता रहूंगा, जुगाड़ से बड़े-बड़े काम आसानी से हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म कितने करोड़ रुपए की है, ये मायने नहीं रखता है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी इस बार कॉमेडी वाले अंदाज में अपकमिंग फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आनेवाले हैं। यह फिल्म अब 26 मई को रिलीज हो रही है। फिल्म में नवाजुद्दीन के अलावा इस फिल्म में संजय मिश्रा, नेहा शर्मा और महाक्षय चक्रवर्ती भी हैं। नवाजुद्दीन जमकर अपनी इस फिल्म के प्रमोशन में जुट गए हैं। आइए जानें, उन्होंने इस बातचीच में कया कुछ कहा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि अनुभव के साथ-साथ अभिनय बदलता रहता है। वे हर दिन कुछ ना कुछ नया सीखते रहते हैं और अपने अनुभव से हर रोज अच्छा अभिनय करने की कोशिश करते रहते हैं। उनके बीस साल पहले और आज के अभिनय में बहुत फर्क है। यह फर्क अनुभव के साथ बदलता रहता है। अब वे पहले के बजाय काफी अच्छा अभिनय करने लगे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि आज उन्हें लोग सुपरस्टार कहते हैं लेकिन यह उनकी मंजिल नहीं है। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। इंसान को अपने जीवन में दूसरों के बजाय खुद से ज्यादा सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं। वे यहां रुकना नहीं चाहते बल्कि और आगे जाना चाहते हैं।

कॉमेडी से भरपूर है जोगीरा सारा रा रा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि उनकी ये फिल्म जोगीरा सारा रा रा कॉमेडी से भरपूर फिल्म है। ये फिल्म दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ बहुत कुछ सिखाती भी है। इस फिल्म में उनका रोल एक जुगाड़ु के रूप में है जो रोज नए-नए जुगाड़ (प्रयोग) करता रहता है। कैरेक्टर का नाम जोगी प्रताप है। नवाज ने कहा कि हमें लीक से हटकर कुछ नया करते रहना चाहिए। इसी का नाम जुगाड़ है। फिल्म में जोगी प्रताप नए-नए जुगाड़ करता रहता है और उसके जुगाड़ कभी फेल नहीं होते। उन्होंने कहा कि हम कई बार देखते हैं कि जुगाड़ से बड़े-बड़े काम आसानी से हो जाते हैं। यह फिल्म इसी जुगाड़ के लिए दर्शकों को प्रेरित करती है।

फिल्म कितने करोड़ रुपए की है, ये मायने नहीं रखता

नवाजुद्दीन का कहना है कि इंसान को अपने जीवन में हमेशा नए-नए प्रयोग करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक वे जिन्दा रहेंगे। तब तक अपने अभिनय के साथ नए-नए जुगाड़ (प्रयोग) करते रहेंगे। फिल्म कितने करोड़ रुपए की है, ये मायने नहीं रखता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्म हमें क्या देकर जा रही है, ये महत्वपूर्ण होता है। सिद्दीकी को पूरा विश्वास है कि उनकी नई फिल्म जोगीरा सारा रा रा दर्शकों को खूब पसंद आएगी।

सुहाना से किया वादा नहीं निभा पा रहे शाहरुख खान

बॉलीवुड सुपरस्टार बादशाह शाहरुख खान अपने तीनों बच्चों के साथ स्पेशल बॉन्ड शेयर करते हैं। शाहरुख अपनी बेटी सुहाना को बहुत ज्यादा प्यार करते हैं यही वजह है कि वो उनकी हर बात मानते हैं। लेकिन शाहरुख अपनी लाडली बेटी से किया एक वादा पूरा नहीं कर पा रहे हैं। और इस बात का उन्हें काफी दुख भी है। शाहरुख ने सुहाना से वादा किया था कि वो सिगरेट पीना छोड़ देंगे, लेकिन अब वो इस वादे को निभा नहीं पा रहे हैं। दरअसल फिल्मों में रोल निभाते-निभाते शाहरुख को सिगरेट की लत लग गई। और वो उसे छोड़ नहीं पा रहे हैं। इसके लिए सुहाना उन्हें कई बार डांट भी चुकी है। शाहरुख ने एक इवेंट में बताया था कि उन्हें बेटी सुहाना ने बहुत डांटा था। उन्होंने कहा, मैं ये बात हर प्लेटफॉर्म पर कहना चाहता हूं। हम फिल्मों में धूम्रपान ना करने की सलाह देते हैं लेकिन असल जिंदगी में इसका पालन नहीं कर पाते हैं। मैं इस आदत को छोड़ना चाहता हूं लेकिन मुझे समय नहीं मिलता है। शाहरुख ने कहा, धूम्रपान छोड़ने के लिए आपको समय की जरुरत होती है। आज मेरी बेटी ने मुझसे कहा पापा आप तो ये छोड़ने वाले थे लेकिन मैं इसे सच में छोड़ना चाहता हूं। मैं दिन में 6-7 सिगरेट पीता हूं। उम्मीद करता हूं इस महीने सिगरेट छोड़ पाऊं। बीते साल एक फैन ने सोशल मीडिया पर शाहरुख खान ने सिगरेट छोड़ने की टिप्स मांगी थी। इस पर उन्होंने जवाब दिया था कि मेरे दोस्त तुम गलत इंसान से सलाह मांग रहे हो। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुहाना खान जल्द ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वह जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनके साथ खुशी कपूर और अगस्तय नंदा भी बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए काफी एक्साइटिड हैं मौनी रॉय

एक्ट्रेस मौनी रॉय चल रहे प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनका कहना है कि वह वैश्विक मंच पर सिनेमा के प्रति अपने जुनून को दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मौनी, जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट के साथ सहयोग किया है, ने कहा- मुझे कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी शुरूआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। कान में लेंसकार्ट का प्रतिनिधित्व करना और इस उत्सव का हिस्सा बनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं इस अविश्वसनीय अवसर के लिए आभारी हूं और इस वैश्विक मंच पर सिनेमा के लिए अपनी अनूठी शैली और जुनून दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

विजय 69 की शूटिंग के वक्त अनुपम को कंधे में लगी चोट

द कश्मीर फाइल्स एक्टर अनुपम खेर इन दिनों अगली फिल्म विजय 69 की शूटिंग में व्यस्त हैं लेकिन उनके साथ हादसा हो गया। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो पोस्ट की है, जिसमें उनके दाहिने हाथ में स्लिंग बैंडेज बंधा हुआ है। साथ ही उन्होंने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट भी किया है। इसमें इन्होंने बताया है उनको कहां और कैसे चोट लगी। इस पोस्ट में वह हालांकि मुस्कुरा रहे हैं और कैमरे को पोज दे रहे हैं। इस पोस्ट को देखने के बाद महिमा चौधरी, नीना गुप्ता, शाम कौशल और करणवीर बोहरा ने चिंता व्यक्त की है। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर कैप्शन लिखा, आप स्पोर्ट्स फिल्म करो और आप घायल ना हो!! ऐसा कैसे हो सकता है? शूटिंग के दौरान कंधे में अच्छी खासी चोट लगी। दर्द तो है पर जब कंधे पर स्लिंग लगाने वाले भैया ने बताया की उन्होंने ने ही शाहरुख खान और ऋतिक रोशन के कंधों को इस स्लिंग से सजाया था तो पता नहीं क्यों दर्द का एहसास थोड़ा कम हो गया!

अनुपम खेर ने शेयर किया पोस्ट

अनुपम खेर ने आगे कहा, पर वैसे अगर थोड़ा ज़ोर से खांसू तो मुंह से हल्की सी चीख जरूर निकलती है! फोटो में मुस्कुराने के कोशिश असली है! एक-दो दिनों बाद शूटिंग जारी रहेगी। वैसे मां ने सुना तो बोली, और दिखा अपनी बॉडी दुनिया को!! तुझे नजर लग गई! मैंने जवाब दिया - मां! गिरते है शहसवार ही मैदान ए जंग में। वो तिफल क्या गिरेगा जो घुटनों के बल चले! माँ झाँपड़ मारते मारते रुक गई!

संदीपा धर ने बचपन की यादों को किया ताजा

क्या हम सबने बचपन में पेड़ से तोड़े हुए आम नहीं खाए है? एक बच्चे के रूप में उन अनमोल पलों को फिर से जीते हुए, एक्ट्रेस संदीपा धर ने अपने भीतर के बच्चे को जगाते हुए पेड़ों से आम चुरा लिए। हालांकि आज के दौर में गर्मियों का मतलब समुद्र तट और यात्रा है, हम सभी ने अपनी बचपन की छुट्टियों के दौरान आमों का आनंद लेते हुए बिताया है। बेहद प्यार और भूख के साथ पहले बैच को खाने से लेकर पड़ोस के पेड़ों से ताज़े फलों को चुराने की अतिरिक्त किक खोजने तक, आम निश्चित रूप से हमारे गर्मियों के बचपन का एक बड़ा हिस्सा हैं। हमें समय में वापस ले जाते हुए, संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर आमों की अपनी समर डायरीज साझा की। संदीपा ने न केवल एक एक्ट्रेस के रूप में प्लेटफार्मों और माध्यमों पर अपनी छाप छोड़ी है, बल्कि अपने मनोरंजक और प्रासंगिक कंटेंट के साथ सोशल मीडिया की सबसे अधिक चर्चा करने वाली हस्तियों में भी अपनी जगह बनाई है। इसी के एक और उदाहरण में, उनके सोशल मीडिया ने एक बार फिर उनकी गर्मियों की शरारतों की एक झलक पेश की है। संदीपा धर ने अभय, मुमभाई, बिसात, माई और डॉ. अरोड़ा जैसे विभिन्न शो में अपने विविध किरदारों से दर्शकों को प्रभावित किया है। संदीपा धर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन कर रही हैं।

विजय और तमन्ना के अफेयर की अफवाहों पर बोले गुलशन देवैया

अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ डेटिंग की अफवाह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों के रिश्ते की चर्चाएं तेज हो गई हैं। जब से दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया है, तब से दोनों के प्यार में होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, अक्सर दोनों के रिश्ते पर अभिनेता गुलशन देवैया भी अभिनेता को छेड़ते नजर आते हैं और पोस्ट साझा कर उनके अफेयर की अफवाहों को हवा दे देते हैं। वहीं, अब एक बार फिर उन्होंने विजय और तमन्ना के रिश्ते पर खुलकर बात की है। दरअसल, हाल ही में दिए इंटरव्यू के दौरान गुलशन ने विजय और तमन्ना के रिश्ते पर बात की। उनसे पूछा गया कि आप अक्सर विजय को तमन्ना के नाम पर चिढ़ाते हैं तो वास्तव में असल जिंदगी में उनकी क्या प्रतिक्रिया होती है। इस पर गुलशन ने जवाब देते हुए कहा कि हां, मैंने तमन्ना के नाम से मजाक शुरू किया और यह वायरल हो गया। उन्होंने इसे स्पोर्टिंगली लिया। हम दोस्त हैं और हम एक दूसरे की काफी इज्जत करते हैं। मैं उन्हें कभी नीचे नहीं दिखाना चाहता। मुझे पता था कि मैं उसे थोड़ा चिढ़ा सकता था। ये बातें एक हद में हो सकती हैं। यह तो कुछ भी नहीं है। ऑफ स्क्रीन तो मैं उन्हें इससे ज्यादा चिढ़ाता हूं। जब गुलशन से यह पूछा गया कि क्या सच में विजय और तमन्ना एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, तब उन्होंने जवाब दिया कि मुझे नहीं पता। मैं उनसे मिला भी नहीं हूं। मैंने सिर्फ मीडिया रिपोर्ट्स और उनकी एक साथ तस्वीरें देखीं और छेड़ना शुरू कर दिया, लेकिन उनके लुक्स से यानी मेरे कन्फर्म करने के बजाय विजय का चेहरा सब कुछ कह देता है। कुछ तो है, लेकिन क्या है मुझे बिलकुल पता नहीं, उन्हें देखकर लगता है कि उनकी केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। मुझे यकीन है कि इसका मतलब कुछ है। गुलशन ने कहा कि रील लाइफ में तो सहयोग होता ही रहता है, रियल लाइफ में कोलेबोरेशन अच्छी बात है। कभी-कभी आप भाग्यशाली होते हैं, जब आपको वास्तविक रूप से सहयोग करने वाला कोई मिल जाता है। मैं उनके बारे में नहीं जानता, न तो मैं पुष्टि कर सकता हूं और न ही इनकार कर सकता हूं। मैं उनके लिए शुभ कामना करता हूं। मुझे लगता है कि विजय महिलाओं का बहुत ध्यान आकर्षित करते हैं। वह बहुत ही आकर्षक हैं। दरअसल विजय और तमन्ना के अफेयर की खबरों ने तब तूल पकड़ी थी, जब नए साल पर तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की गोवा से कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं।

'मिर्जापुर' की भूमिका को लेकर रसिका का दिलचस्प खुलासा

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इस सीरीज में चाहे कालीन भैया के किरदार में पंकज त्रिपाठी हो, गुड्डू पंडित के किरदार में अली फजल हो या फिर बीना त्रिपाठी की भूमिका में रसिका दुग्गल, सबने अपनी बेहतरीन अदाकारी से सबका दिल जीता। तीसरे सीजन की रिलीज से ठीक पहले अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर सीरीज में काम करने के अनुभव साझा किए हैं और बताया कि बीना त्रिपाठी की भूमिका निभाने की प्रेरणा उनको कहां से मिली। मिर्जापुर का पहला सीजन अमेजन प्राइम वीडियो पर साल 2018 में रिलीज हुआ था। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में रिलीज फिल्म अनवर में एक छोटी भूमिका के की। इसे बाद उन्हें नो स्मोकिंग, औरंगजेब, किस्सा, ट्रेन स्टेशन, हामिद, और मंटो जैसी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। वेब सीरीज मिर्जापुर के जरिये देश विदेश में शोहरत पाने वाली रसिका दुग्गल कहती हैं, बीना त्रिपाठी की भूमिका निभाने से पहले मैं बहुत घबराई हुई थी। मेरे मन में यह संदेह था कि पता नहीं उस भूमिका को निभा पाऊंगी कि नहीं। मिर्जापुर में रसिका दुग्गल ने एक ऐसी महिला बीना त्रिपाठी का किरदार निभाया है जो मन के साथ साथ तन से भी स्वतंत्र है। रसिका दुग्गल कहती है, पहले मैंने सोचा था कि शायद यह भूमिका किसी अधिक कामुक या स्टीरियोटाइप रूप से सेक्सी दिखने के लिए उपयुक्त थी। लेकिन मिर्जापुर की शूटिंग से पहले एक पार्टी में मैं एक युवा लड़की से मिली जो मेरी प्रेरणा बन गई। वह एक साधारण जींस और एक टी-शर्ट पहने हुए एक छोटे शहर से थी। वह एक गायिका थी। दिखने में बहुत ही शर्मीली लेकिन जैसे ही उसने गाना शुरू किया, वह एक कामुक और दमती महिला के रूप में बदल गई जिसने सबका ध्यान आकर्षित किया। वह छवि मेरे दिमाग में रही और मेरी प्रेरणा बन गई। वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इस सीरीज का दूसरा पार्ट भी काफी लोकप्रिय हुआ था। अब 'मिर्जापुर सीजन 3 जल्द ही अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इस सीरीज की कहानी उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर शहर की है। सीरीज में पंकज त्रिपाठी ने कालीन भैया का किरदार निभाया है। इसी सीरीज की वजह से पंकज त्रिपाठी ओटीटी प्लेटफार्म के स्टार बन गए तो रसिका दुग्गल ने भी खूब लोकप्रियता हासिल की। इस सीरीज में अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, श्वेता त्रिपाठी, कुलभूषण खरबंदा जैसे कई दमदार कलाकारों ने काम किया है।